

बनास के आंचल में बजरी की चोट, बदल रहा ‘गंगा मां’ का स्वरूप!

जहाजपुर क्षेत्र में नदी के तटों तक पहुंची खुदाई, कहीं गहरे गड्ढे तो कहीं कटे हुए किनारे; आस्था और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर अलकेश पारीक जहाजपुर। बनास नदी को जहाजपुर क्षेत्र में लोग सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि ‘गंगा मां’ के रूप में श्रद्धा से देखते हैं। इसी बनास के किनारे अगर बजरी की खुदाई के निशान दिखाई दें और नदी के प्राकृतिक तट जगह-जगह कटे नजर आए तो चिंता होना स्वाभाविक है। सामने आई तस्वीरें इसी चिंता को और गहरा करती हैं। नदी के तटवर्ती हिस्सों में गहरी खुदाई और बड़े-बड़े गड्ढे दिखाई दे रहे हैं, जिससे बनास के प्राकृतिक स्वरूप में बदलाव नजर आ रहा है। जहां आस्था से सिर झुकते हैं, वहां खुदाई के निशान क्यों? बनास नदी क्षेत्र के लोगों के लिए सिर्फ पानी का बहाव नहीं, बल्कि वर्षा से आस्था, जीवन और प्रकृति से जुड़ी पहचान रही है। लोग इसके



तटों से भावनात्मक लगाव रखते हैं। ऐसे में नदी के किनारों पर बजरी की खुदाई और उससे पैदा हुए कटाव के दृश्य लोगों को विचलित करने वाले हैं। सवाल यह नहीं कि बजरी कितनी निकली, सवाल यह है कि क्या बजरी निकालते-निकालते बनास के प्राकृतिक तटों का स्वरूप भी बदला जा रहा है?

तटों पर गहरी खुदाई, जिम्मेदारों की निगरानी पर सवाल मौके की तस्वीरों में कई स्थानों पर गहरी खुदाई और कटे हुए किनारे नजर आ रहे हैं। यदि यह खुदाई स्वीकृत क्षेत्र और निर्धारित नियमों के तहत हुई है तो उसकी सीमा और शर्तों की जांच होनी चाहिए। वहीं यदि कहीं नियमों का उल्लंघन हुआ है तो संबंधित विभागों को कार्रवाई करनी चाहिए। बरसात के दौरान नदी में तेज बहाव आने पर कमजोर तटों पर कटाव बढ़ने की आशंका भी रहती है। इसलिए नदी के प्राकृतिक तटों की स्थिति को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

‘गंगा मां’ के आंचल को बचाने की जिम्मेदारी किसकी?

स्थानीय लोगों का कहना है कि



बनास को बचाना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। लेकिन निगरानी और नियमों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों का दायित्व है। ऐसे में खनन, राजस्व और प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर स्थिति की जांच करनी चाहिए। नदी के तट की पैमाइश, खनन अनुमति, निर्धारित

क्षेत्र और वास्तविक खुदाई की स्थिति की जांच कर स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए। नियमों का उल्लंघन मिले तो नियमानुसार कार्रवाई हो और संवेदनशील तटों पर निगरानी बढ़ाई जाए।

आज नहीं संभले तो कल सिर्फ तस्वीरें बचेंगी

बनास के प्रति लोगों की आस्था और नदी के प्राकृतिक महत्व को देखते हुए यह समय सवाल पूछने के साथ-साथ जिम्मेदारी निभाने का भी है। बजरी का कारोबार और नदी का संरक्षण—दोनों के बीच नियमों की स्पष्ट सीमा जरूरी है। अब देखना यह है कि इन तस्वीरों के सामने आने के बाद शासन-प्रशासन ‘गंगा मां’ कहे जाने वाली बनास के तटों की सुध लेता है या नहीं। क्योंकि नदी सिर्फ पानी नहीं होती... नदी अपने साथ लोगों की आस्था, स्मृतियों की उम्मीद और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी बहाकर ले जाती है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाई महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती

स्मार्ट हलचल

बिजौलिया / ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर दोनों महापुरुषों के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में वक्ता किशन कुमार खटीक ने महात्मा गांधी के सत्य एवं अहिंसा तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, ईमानदारी और ‘जय जवान जय किसान’ के संदेश को याद करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कांग्रेस ओ बी सी जिला महासचिव जसवंत सोलंकी,ओ बी सी ब्लॉक अध्यक्ष संजय मालवीय, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश खटिक, सेवा दल जिला महासचिव रणजीत कानावत, नव निर्वाचित पार्षद छितर भील, राजेंद्र मीणा, रमेश खटिक,शंकर धाकड़, संजय मालवीय, किशन खटिक, रईश, निर्मल मेहर, पार्षद प्रत्याशी, राहुल जैन,कमल नायक, सुरेश धोबी,दिलखुश माली, कांग्रेस साथी हेमंत सिंह, हर्षद ब्लॉक अध्यक्ष ऋतुराज मीणा, अजहर पटान, शाहरूख सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे



फायरिंग कर हत्या के प्रयास करने वाले आरोपी को 13 माह बाद किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

दौसा / मण्डावर धाना पुलिस ने फायरिंग कर हत्या के प्रयास के मामले में करीब 13 माह से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी डिम्पल उर्फ डिम्पा मीना को सटीक आसूचना एवं लगातार निगरानी के बाद उसके गांव रसीदपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी से प्रकरण के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर राहुल प्रकाश आईपीएस एवं जिला पुलिस अधीक्षक दौसा पीयूष दीक्षित आईपीएस के निर्देशानुसार वांछित एवं इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय शंकरलाल आरोपीएस तथा पुलिस उप अधीक्षक महवा अनूप सिंह आरोपीएस के सुपरविजन में मण्डावर धानाधिकारी हरिओम पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी।

5 हजार रुपए का इनामी आरोपी डिम्पल उर्फ डिम्पा मीना पुलिस के हथ्थे चढ़ा, रसीदपुर से गया दबोचा...

घर के गेट के सामने की थी फायरिंग पुलिस के अनुसार वीरासना निवासी शिवराम पुत्र शुक्लाराम मीना ने 3 सितंबर 2025 को मण्डावर धाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसके घर के गेट के सामने आए और जान से मारने की नीयत से बंदूक से फायरिंग की। आरोपियों ने गाली-गलौंच भी की। रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण संख्या 234/2025 दर्ज कर धारा 351(2), 352 गैरन्यास एवं 3/25, 5/27 आर्म्स एक्ट के तहत जांच शुरू की। मामले में दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है, जबकि डिम्पल उर्फ डिम्पा घटना के बाद से फरार चल रहा था।

13 माह से पुलिस को दे रहा था चक्का फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार संभावित ठिकानों पर निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए डिम्पल उर्फ डिम्पा मीना को ग्राम रसीदपुर से डिटेल कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पहले से दर्ज हैं कई आपराधिक मामले पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मण्डावर एवं बांदिकुई धानों में पूर्व से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें मारपीट, लूट, राजकार्य में बाधा, धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज होना सामने आया है।

आरोपी के खिलाफ वर्ष 2015 से 2022 के बीच कुल सात प्रकरण दर्ज होने का रिकॉर्ड पुलिस ने बताया है।

गिरफ्तार आरोपी:

डिम्पल उर्फ डिम्पा पुत्र जयराम मीना, उम्र 27 वर्ष, निवासी रसीदपुर, धाना मण्डावर, जिला दौसा।

इनकी रही अहम भूमिका

कार्रवाई करने वाली टीम में मण्डावर धानाधिकारी हरिओम, सहायक उप निरीक्षक मंगनसिंह, सहायक उप निरीक्षक वीरेन्द्रसिंह, हैडकॉन्स्टेबल धर्मसिंह, कॉन्स्टेबल प्रताप सिंह, गजेन्द्र सिंह, लक्ष्मीचन्द एवं भीमसिंह तथा हैडकॉन्स्टेबल चालक मानसिंह शामिल रहे। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा प्रकरण में उसकी भूमिका और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गांधी जयंती पर शाहपुरा में गूंजा स्वच्छता का संदेश

उपखंड कार्यालय में गांधीजी को श्रद्धांजलि, पौधारोपण के साथ अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान...

शाहपुरा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर गुरुवार को उपखंड कार्यालय शाहपुरा में श्रद्धा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने गांधीजी के विचारों को याद करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ शाहपुरा के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर हुई। इसके बाद गांधीजी के प्रिय भजनों के साथ रामधुनी का आयोजन किया गया। वातावरण गांधीजी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। उन्होंने आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने तथा सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। ‘एक पेड़ मां के नाम’ से हरियाली का संदेश गांधी जयंती के अवसर पर ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत गांधी पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। उपखंड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे



लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधों की देखभाल और अधिक से अधिक हरित क्षेत्र विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। वहीं ‘विकसित भारत जन सेवा अभियान’ के तहत गांधी पार्क एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। अधिकारियों-कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान करते हुए पार्क एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। इस दौरान आमजन को भी स्वच्छता अभियान से जुड़ने और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

अधिकारी-कर्मचारियों ने लिया संकल्प

उपखंड अधिकारी बनवारी लाल सिनसिनवार ने कहा कि गांधी जयंती हमें केवल राष्ट्रपिता के विचारों को याद करने का अवसर नहीं देती, बल्कि

उन विचारों को अपने व्यवहार में उतारने की प्रेरणा भी देती है। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के माध्यम से शाहपुरा को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रशासनिक कार्यों के साथ सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया और स्वच्छ शाहपुरा के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी पुरुषोत्तम पंवार, सीबीईओ महेश शर्मा, वनपाल खुशवंत राजवत सहित उपखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। गांधी जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों में श्रद्धांजलि के साथ स्वच्छता, श्रमदान और पौधारोपण के जरिए गांधीजी के विचारों को धरातल पर उतारने का संदेश दिखाई दिया।

मानगढ़ धाम को जल्द राष्ट्रीय स्मारक घोषित करे केंद्र सरकार वनवासी कल्याण आश्रम के केंद्रीय कार्यकारी मंडल की बैठक में प्रस्ताव पारित, पाठ्यक्रमों में मानगढ़ के इतिहास को शामिल करने की भी मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। मानगढ़ धाम को अविर्लंब राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम ने आवाज बुलंद की है। भीलवाड़ा के रामेश्वरम भवन में चल रही संगठन की केंद्रीय कार्यकारी मंडल की बैठक में आज इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया। संगठन ने केंद्र सरकार से मानगढ़ धाम के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के अनुरूप संरक्षण और विकास सुनिश्चित करने की मांग भी की है। बैठक के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने प्रस्ताव की जानकारी देते हुए कहा कि 17 नवंबर 1913 को वागड़ क्षेत्र में संत गोविंद गुरु के नेतृत्व में चल रहे भगत आंदोलन को दबाने के लिए ब्रिटिश शासन ने मानगढ़ धाम में गोलीकांड किया था। संगठन के अनुसार इस घटना में बड़ी संख्या में जनजातीय महिला, पुरुष और बच्चे मारे गए थे। वनवासी कल्याण आश्रम ने मानगढ़ गोलीकांड को जनजातीय समाज के स्वतंत्रता संघर्ष की बलिदान का महत्वपूर्ण अध्याय बताते हुए कहा कि यह घटना जलियांवाला बाग हत्याकांड से छह वर्ष पूर्व हुई थी। संगठन का कहना है कि मानगढ़ की घटना को राष्ट्रीय

स्तर पर उचित ऐतिहासिक पहचान मिलना आवश्यक है।

भगत आंदोलन ने जगाई थी सामाजिक चेतना--

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि संत गोविंद गुरु के नेतृत्व में भगत आंदोलन ने अंग्रेजी शासन के दमनकारी कानूनों के खिलाफ जनजागरण के साथ-साथ जनजातीय समाज की संस्कृति, आस्था और जीवन मूल्यों को भी जागृत किया। मानगढ़ की घटना के बाद राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष की चेतना और व्यापक हुई। प्रस्ताव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 1 नवंबर 2022 को मानगढ़ धाम पहुंचकर बलिदानी जनजातीय समाज को श्रद्धांजलि देने तथा राष्ट्रपति के 4



अक्टूबर 2024 को मानगढ़ धाम पहुंचकर बलिदानियों को नमन करने का उल्लेख भी किया गया। संगठन ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भी मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में मान्यता देने की सिफारिश कर चुका है। ऐसे में केंद्र सरकार को मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर उसके संरक्षण एवं विकास के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

पाठ्य-पुस्तकों में मिले मानगढ़ को स्थान--

वनवासी कल्याण आश्रम ने राजस्थान, गुजरात और मध्यप्रदेश सरकारों से स्कूल एवं कॉलेजों की पाठ्य-पुस्तकों में मानगढ़ के इतिहास को उचित स्थान देने का आग्रह किया। संगठन का कहना है कि जनजातीय समाज के स्वतंत्रता

वनवासी कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन जगतगुरु निंबाकाचार्य पीठाधीश्वर श्रीजी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान वनवासी समाज के साथ आत्मीय संबंध स्थापित किए, उसी प्रकार वनवासी कल्याण आश्रम वनवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय महामंत्री योगेश बापट ने संगठन की ओर से वनवासी समाज के लिए किए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तेजी गुबिन, संयुक्त महामंत्री विष्णुकांत, राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के अध्यक्ष डॉ. थावरचंद डामोर, प्रचार प्रमुख प्रमोद पेटकर तथा बैठक के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार संयोजक कैलाश सोनी मौजूद रहे। बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप देने में रामप्रकाश अग्रवाल, ज्ञानचंद जैन, दुर्गालाल सोनी, नरेश ओझा, महावीर सोनी, अनीता काबरा, गणेश काबरा, कैलाश नंदावत, दिवाकर जावा, गुणमाला अग्रवाल, महेश खडैवाल, कन्हैयालाल मूंदड़ा, यश श्रीवास्तव, कमल गोखर, तरुणा शर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, भागचंद बाहेली, पदम जैन, दीपक पुरोहित, सर्वेश्वर कल्याण सहित अनेक कार्यकर्ता जुटे।

रामगढ़ पंचवारा पुलिस ने लूट की वारदात का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार मारपीट कर छीना गया करीब 30 हजार रुपए कीमत का मोबाइल बरामद

स्मार्ट हलचल

दौसा / रामगढ़ पंचवारा धाना पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को बापदा गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट के दौरान छीना गया करीब 30 हजार रुपए कीमत का ओपो एफ-27 एंड्रॉयड मोबाइल भी बरामद किया है। मामले में पुलिस का अनुसंधान जारी है। पुलिस के अनुसार 22 अगस्त 2026 की रात परिवारी समीम खान अपने चचेरे भाई हारून को मोटरसाइकिल पर बैठकर अपने ताऊ ईसाक खान को लेने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे स्थित अमराबाद रैस्ट एरिया पहुंचा था। इसी दौरान बोलेरो वाहन में सवार होकर आए अज्ञात आरोपियों ने समीम खान के साथ मारपीट की और उसका ओपो एफ-27 मोबाइल जबरदस्ती छीनकर फरार हो गए। घटना के संबंध में रामगढ़ पंचवारा धाने में मुकदमा नंबर 116/2026 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना के बाद पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही तकनीकी सहायता और गोपनीय सूचना के आधार पर आरोपियों के संबंध में साक्ष्य जुटाए गए। जांच के दौरान अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उन्हें नामजद किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 1 अक्टूबर को मामले में शामिल दो आरोपियों को बापदा गिरफ्तार कर लिया तथा उनकी निशानदेही पर लूटे गए ओपो एफ-27 मोबाइल को बरामद कर लिया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

एसपी के निर्देश पर गठित की गई थी टीम

यह कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज जयपुर राहुल प्रकाश आईपीएस तथा जिला पुलिस अधीक्षक दौसा पीयूष दीक्षित आईपीएस के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालसोत विनोद कुमारा सीमा आरोपीएस एवं सचनारायण आरोपीएस के निकटतम सुपरविजन में धानाधिकारी भरतलाल पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने की।

पुलिस टीम में सहायक उपनिरीक्षक नाथूलाल, हेड कॉन्स्टेबल रोहिताश, कॉन्स्टेबल सुरेश चंद, कॉन्स्टेबल रोहिताश तथा चालक कॉन्स्टेबल बाबूलाल शामिल रहे।

जिला कलेक्टर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर किया नमन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिले में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती भी मनाई गई तथा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बापू के प्रिय भजनों ‘वैष्णव जन तो तेने कहिए’ एवं ‘रघुपति राघव राजा राम’ का गायन किया गया। इसके साथ ही महात्मा गांधी राजकीय अस्पताल एवं नगर विकास न्यास परिसर में स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सद्भाव के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिटी श्रीमती प्रतिभा देवढिया, नगर विकास न्यास सचिव श्री सालुंखे गौरव रविंद्र, नगर निगम आयुक्त श्री कमल सिंह यादव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक श्री रामवतार जाट सहित अधिकारी, कार्मिक एवं आमजन मौजूद रहे।



गांधी जयंती पर तीन बंदरों के साथ निकले पालीवाल, 17 सिंबल विवाद पर कांग्रेस नेतृत्व को घेरा

हाथ में लाठी, साथ में तीन बंदर... 17 सिंबल विवाद पर कांग्रेस नेता का अनूठा विरोध...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। गांधी जयंती के मौके पर भीलवाड़ा में कांग्रेस के भीतर चल रहा 17 चुनावी सिंबल का विवाद एक बार फिर सड़क पर दिखाई दिया। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सदस्य मनोहर पालीवाल ने शुक्रवार को अनूठे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। पालीवाल तीन युवकों को महात्मा गांधी के तीन बंदरों के प्रतीक के रूप में साथ लेकर पैदल मार्च पर निकले। हाथ में लाठी और साथ में तीन बंदरों का प्रतीकात्मक प्रदर्शन लेकर वे भोपाल क्लब के बाहर स्थित गांधी प्रतिमा से जिला कांग्रेस कार्यालय तक पहुंचे। गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद शुरू हुई इस पैदल यात्रा का मकसद कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ अपनी नाराजगी दर्ज कराना था। पालीवाल का कहना है कि भीलवाड़ा नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के 17 प्रत्याशियों को पार्टी का अधिकृत चुनाव चिह्न नहीं मिल पाने के मामले में करीब एक माह से वह प्रदेश नेतृत्व तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं, लेकिन अब तक जिम्मेदारी तय नहीं हुई।

तीन बंदरों के जरिए साधा निशाना

पालीवाल ने विरोध के लिए गांधीजी के प्रसिद्ध तीन बंदरों को प्रतीक बनाया। उनका कहना था कि 'बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत कहो' वाले तीन बंदर आज प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की स्थिति को दर्शाते हैं। उनके अनुसार वह लगातार अपनी बात उठाते आ रहे हैं, लेकिन नेतृत्व उनकी शिकायत पर न तो ध्यान दे रहा है और न ही मामले में कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती



रहे हैं, लेकिन अब तक जिम्मेदारी तय नहीं हुई।

तीन बंदरों के जरिए साधा निशाना

पालीवाल ने विरोध के लिए गांधीजी के प्रसिद्ध तीन बंदरों को प्रतीक बनाया। उनका कहना था कि 'बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत कहो' वाले तीन बंदर आज प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की स्थिति को दर्शाते हैं। उनके अनुसार वह लगातार अपनी बात उठाते आ रहे हैं, लेकिन नेतृत्व उनकी शिकायत पर न तो ध्यान दे रहा है और न ही मामले में कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती

उनके लिए केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि सत्य और अपनी बात अहिंसक तरीके से रखने का अवसर भी है। इसी सोच के साथ गांधी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद उन्होंने पैदल यात्रा निकाली।

17 सिंबल नहीं मिलने को बताया बड़ी चूक

पालीवाल का मुख्य आरोप भीलवाड़ा नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के 17 प्रत्याशियों के अधिकृत सिंबल संबंधी दस्तावेज समय पर निर्वाचन अधिकारी तक नहीं पहुंचने को लेकर है। मिडिया रिपोर्टों के अनुसार भीलवाड़ा नगर निगम के 70 वार्डों में कांग्रेस के 53 प्रत्याशियों के अधिकृत दस्तावेज पहुंचे थे, जबकि 17 प्रत्याशियों के सिंबल समय सीमा में जमा नहीं हो सके। इस घटनाक्रम के बाद मामला पार्टी के भीतर विवाद का विषय बना और पालीवाल ने प्रदेश नेतृत्व से जिम्मेदारी तय करने की मांग उठाई। पालीवाल का आरोप है कि इस चूक के कारण 17 प्रत्याशी कांग्रेस के अधिकृत चुनाव चिह्न पर चुनाव नहीं लड़ सके। उनका कहना

है कि मामले में समय रहते जिम्मेदारी तय होती और कार्रवाई की जाती तो कार्यकर्ताओं के बीच भी स्पष्ट संदेश जाता।

महापौर-उपमहापौर प्रत्याशी नहीं उतार पाने का मुद्दा

पालीवाल ने आरोप लगाया कि सिंबल विवाद का असर केवल पार्श्व पद के प्रत्याशियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कांग्रेस महापौर और उपमहापौर पद के लिए भी अपने प्रत्याशी मैदान में नहीं उतार सकी। उन्होंने इसे संगठन के लिए गंभीर स्थिति बताते हुए प्रदेश नेतृत्व से जवाबदेही तय करने की मांग की है। इस पूरे प्रकरण में पालीवाल ने कांग्रेस के कुछ स्थानीय पदाधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कांग्रेस पहुंचने की जिम्मेदारी से जुड़े लोगों पर लापरवाही के आरोप लगाए। हालांकि इन आरोपों पर अंतिम निर्णय किसी स्वतंत्र जांच या संबंधित संगठनात्मक प्रक्रिया के बाद ही निकाला जा सकता है। उपलब्ध रिपोर्टों में भी पालीवाल की ओर से जांच और कार्रवाई की मांग दर्ज है।

राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय खजीना में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाई गई



स्मार्ट हलचल

आकोला / राजकीय वरि. उपा. संस्कृत विद्यालय खजिना में आज 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यार्थियों ने गांधीजी और शास्त्रीजी के जीवन पर निबंध, भाषण व कविताएं प्रस्तुत कीं। विद्यालय स्टाफ ने बच्चों को सत्य, अहिंसा, सादगी और 'जय जवान-जय किसान' के संदेश को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि, स्वच्छता की शपथ

गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वच्छता का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

गंगापूर । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर आज नगर पालिका गंगापूर में गरिमापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी , तहसीलदार एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने महात्मा गांधी जी के स्वच्छता, सत्य एवं अहिंसा के संदेश तथा लाल बहादुर शास्त्री जी के सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए गंगापूर नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने का संकल्प लिया। आमजन से भी अपने घर, गली, मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने तथा नगर को स्वच्छ रखने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी जी का स्वच्छ भारत का सपना और लाल बहादुर शास्त्री जी का सादगी एवं राष्ट्रहित का संदेश आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इन महान विभूतियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। कार्यक्रम में पार्षद रामप्रसाद माली, कृष्ण गोपाल जीोगर, नवरत्न बेवा, यासमीन पठान, बालकृष्ण चंदेल शिक्षा विभाग एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



गंगापूर हॉस्पिटल के रेडियोलॉजिस्ट की पुत्री का मैंगलोर मेडिकल कॉलेज में चयन,

गंगापूर / राजकीय सेटलाइट हॉस्पिटल गंगापूर में पदस्थगीत रेडियोलॉजिस्ट डॉ. चंद्र शेखर पारीक की पुत्री अवंनी पारीक ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। अवंनी का चयन कर्नाटक के ख्याति प्राप्त ए.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मैंगलोर में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हुआ है।[प्राप्त जानकारी के अनुसार कर्नाटक राज्य में मेडिकल की कुल लगभग 11000 सीटें हैं, जिनमें ओपन श्रेणी की मात्र 900 सीटें हैं। इन 900 ओपन सीटों के लिए अखिल भारतीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा थी, जिसमें अवंनी ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।अवंनी की इस उपलब्धि पर सेटलाइट हॉस्पिटल के चिकित्सकों, स्टाफ सदस्यों तथा क्षेत्रवासियों ने डॉ. पारीक एवं उनके परिवार को बधाई देते हुए अवंनी के उज्जवल भविष्य की कामना की है।



गांधी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री की सादगी को किया नमन

कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम, आदर्शों को जीवन में उतारने का लिया संकल्प...

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय, बालाजी की छतरी पर श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम नगर पालिका अध्यक्ष एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने दोनों महान नेताओं के जीवन, संघर्ष, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और सामाजिक सद्भाव के माध्यम से देश को नई दिशा दी। वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को अपने जीवन का आधार बनाकर सार्वजनिक जीवन में आदर्श प्रस्तुत



किया। उनके विचार आज भी समाज और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने दोनों महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। गांधी जी के स्वच्छता, सत्य एवं अहिंसा के संदेश के साथ शास्त्री जी की सादगी और कर्तव्यनिष्ठा को जनजीवन में उतारने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष डॉ. इशाक खान, पार्श्व नाथू कोली, किशन कहार, यूनुस खान, युवराज रेगर, चेतन रेगर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामप्रसाद धाकड़, अर्जुन सिंह राणावत, पार्श्व प्रतिनिधि मुन्ना खान, रविदत्त पुण्डरीक, सोन्

कायमखानी, वाई अध्यक्ष सोहन सोनी, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमिटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अतुल त्रिपाठी, युवा नेता अर्पित कसैरा, नाजिम, गुड्डू, भेरूलाल तेली एवं सत्यनारायण तेली सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में गांधी और शास्त्री को विचारों को केवल स्मरण करने के बजाय उन्हें व्यवहार और सार्वजनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज के दौर में सत्य, सादगी, स्वच्छता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा जैसे मूल्यों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।

सेन सेवा संस्थान ने गरबा नवरात्रि महोत्सव 2026 का किया भव्य विमोचन जय माँ कामाख्या के जयकारे के साथ

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सेन सेवा संस्थान, भीलवाड़ा की ओर से समस्त सेन समाज के लिए आयोजित होने वाले गरबा नवरात्रि महोत्सव 2026 का विमोचन महंत जी मोहन शरण जी महाराज के सानिध्य में किया गया। आगामी 18, 19 एवं 20 अक्टूबर 2026 को हरिशेवा धाम गाईन, भीलवाड़ा में तीन दिवसीय गरबा नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में गरबा, डांडिया एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सेन समाज की संस्कृति, एकता एवं उत्साह को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन में समाज के परिवारों के लिए विशेष रूप से उत्सवपूर्ण वातावरण तैयार किया जाएगा। आयोजक रामप्रसाद सेन ने बताया कि, 'गरबा नवरात्रि महोत्सव तीन दिनों तक भव्य रूप से आयोजित होगा, जिसमें गरबा, डांडिया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के परिवारों को एक साथ उत्सव मनाने का अवसर मिलेगा।' वहीं आयोजक आकाश सेन ने बताया



कि, '18, 19 एवं 20 अक्टूबर को हरिशेवा धाम गाईन में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन में सेन समाज के साथ शहरवासियों को भी सादर आमंत्रित किया गया है।' विमोचन कार्यक्रम में सुरेश सेन तंवर, रमेश सेन सौगात, रामप्रसाद सेन आमेसर, जसजित सेन, आकाश सेन सांगानेर, बलवंत सेन शाहपुरा, विशाल सेन V.v., कमलेश सेन हाथीपुरा, अनिल सेन, पवन सेन धोली, संजय सेन धुवाला, महेंद्र सेन सगरैव, हर्षित

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

आकोला राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, जिला अफीम अधिकारी कार्यालय, भीलवाड़ा द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सवाईपुर-बड़ला बाईपास राजमार्ग पर किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों की संख्या में जनसमुदाय एवं अफीम कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जन, विशेषकर अफीम कृषकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करना रहा। इस अवसर पर जिला अफीम अधिकारी, भीलवाड़ा सुशील कुमार वर्मा द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, समाज एवं देश को नशामुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करने की शपथ दिखाई गई। उपस्थित लोगों ने नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में जिला अफीम अधिकारी, भीलवाड़ा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अफीम कृषकों एवं आम जन का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग एवं सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा आम जन से अपील की गई कि वे नशे से स्वयं दूर रहें तथा अपने परिवार एवं समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जागरूकता फैलाएं और नशामुक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनें। कार्यक्रम में जिला अफीम अधिकारी सुशील कुमार वर्मा, प्रांत का आयाम प्रमुख/अध्यक्ष बड़ी लाल तेली चितौड़ प्रांत व प्रदेश अभियान प्रमुख बद्रीलाल जाट व भंवरलाल सुयार, देवीलाल सुयार राधेश्वर लाल जाट, गोपाल लाल जाट, सरवन सिंह किसान व युवा नेता रामकुमार जाट शाहिद सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजोलिया में धूमधाम से मनाई गई महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ / स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिजोलिया में राष्ट्रपिता महात्मा गंधी औरपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में महात्मा गांधी औरलाल बहादुर शास्त्री के चित्रों प मल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसरपर विद्यालय के प्रभ्माचार्य दिलीप सिंह, उप प्रधानाचार्य महावीर रेगर, शिवलाल धेबी एवं कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती रेखा बिल्टू सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

महापुरुषों के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश

समारोह के दौरान प्रधानाचार्य दिलीप सिंह और स्टाफ के सदस्यों ने विद्यार्थियों को दोनों महान विभूतियों की जीवन, उनके विचार और देश के लिए किए गए अभूतपूर्व कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वावलंबन के सिद्धांतों तथा लाल बहादुर शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' के नारे की महत्ता को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और पुरस्कार वितरण

जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषण, कविता पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को पारितोषिक प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया। विद्यालय मैला विजेताओं का सम्मान कार्यक्रम के विशेष सत्र में हाल ही में आयोजित विज्ञान मेले के प्रतिभावान विजेता विद्यार्थियों को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य एवं अतिथियों ने विजेता छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समपूर्ण कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं आयोजन प्रधानाचार्य दिलीप सिंह, उप प्रधानाचार्य महावीर, शिवलाल धेबी तथा कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती रेखा बिल्टू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया गया।

विकास के दावों की पोल खोलती गुरला की राजपुरा रोड जर्जर, चंबल लाइन ने तोड़ी कमर, कीचड़ में भविष्य खोजते स्कूली बच्चे, प्रशासन मौन

स्मार्ट हलचल

गुरला:- / भीलवाड़ा जिले के सुवाणा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत गुरला का एक ऐसा मार्ग जो विकास की सारी कहानी बयां करता है। हम बात कर रहे हैं टीला का खेड़ा से राजपुरा होते हुए नेशनल हाईवे को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की। करीब आधा किलोमीटर से ज्यादा लंबी यह सड़क आज अपनी बदहली पर आंसू बहा रही है। सरकार कहती है गांव-गांव को सड़कों से जोड़ दिया, लेकिन इस सड़क की हकीकत देखकर लगता है जैसे आजादी के बाद से यहां एक ईंट भी नहीं लगी।

12 साल पुरानी सड़क, अब नामोनिशान मिटा:

स्थानीय ग्रामीण राम देव गुर्जर ने बताया कि इस सड़क का निर्माण आज से लगभग 12 से 13 साल पहले प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना या ग्राम पंचायत के माध्यम से हुआ था। उसके बाद से आज तक इस सड़क की कभी मरम्मत तक नहीं हुई। ऊपर से कुछ महीनों पहले चंबल पेयजल परियोजना की बड़ी पाइपलाइन डालने के लिए इस पूरी सड़क को बीच से खोद दिया गया। ठेकेदार ने पाइपलाइन तो डाल दी, लेकिन सड़क को वापस ठीक करना जरूरी नहीं समझा। जेसीबी से खोदी गई मिट्टी को ऐसे ही छोड़ दिया गया, जिससे पहली बरसात में ही सड़क दलदल में तब्दील हो गई।

फोटो में तीन स्कूली छात्राएं बस्ता टांगे, स्कूल ड्रेस में कीचड़ और गंदे पानी से बचते हुए किनारे-किनारे चल रही हैं। सड़क के बीच में बड़ा गड्ढा है जिसमें बरसात का पानी भरा है और उसमें कीचड़ ही कीचड़ है। दोनों तरफ कच्चे मकान और दीवारें हैं। सुबह-सुबह बच्चे जब स्कूल जाते हैं तो उन्हें रोज इसी नरक से गुजरना पड़ता है। एक छात्रा ने बताया कि कई बार वह कीचड़ में फिसल कर गिर जाती है, जिससे उसकी स्कूल ड्रेस खराब हो जाती है और उसे वापस घर जाकर ड्रेस बदलनी पड़ती है, जिससे वह स्कूल में लेट हो जाती है। शिक्षक डांटते हैं सो अलग।

स्कूली बच्चों के साथ-साथ महिलाओं और बुजुर्गों का भी बुरा हाल:

यह सड़क सिर्फ टीला का खेड़ा की नहीं, बल्कि राजपुरा, गुरला और आसपास के कई गांवों को नेशनल हाईवे से जोड़ने वाला एकमात्र सीधा रास्ता है। इस पर दिनभर सैकड़ों लोगों का आना-जाना लगा रहता है। महिलाओं को दूध लेकर डेयरी पर जाना, मजदूरों को काम पर

जाना, बीमार लोगों को अस्पताल ले जाना, सब इसी रास्ते से होता है। लेकिन सड़क टूटी होने से कोई भी ऑटो, टैपो या एम्बुलेंस इस गली में नहीं आती। मजबूरी में बीमार व्यक्ति को खाट पर लादकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। बरसात में तो स्थिति ऐसी हो जाती है कि दोपहिया वाहन भी नहीं निकल पाता।

प्रशासन की अनदेखी, पंचायत बनी मुकददर्शक:

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस बारे में कई बार ग्राम पंचायत गुरला के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत समिति सुवाणा के विकास अधिकारी और यहां तक कि भीलवाड़ा जिला कलेक्टर को भी लिखित में शिकायत दी है, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। सब एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हैं। पंचायत कहती है यह पीडब्ल्यूडी की रोड है, पीडब्ल्यूडी कहता है यह पंचायत की है और चंबल परियोजना डालने कहते हैं हमारा काम तो पाइपलाइन डालना था, सड़क बनाना हमारा काम नहीं। इस कागजी फुटबॉल में पिस रही है आम जनता।

चंबल परियोजना बनी अभिशाप:

जिस चंबल परियोजना से लोगों को उम्मीद थी कि घर-घर मीठा पानी आएगा, वही परियोजना अब उनके लिए अभिशाप बन गई है। ठेकेदार

की मनमानी से पूरी सड़क तबाह हो गई। नियम कहता है कि जहां भी सड़क खोदो, उसे 48 घंटे में वापस पहले जैसी बना दो, लेकिन यहां 6 महीने हो गए, सड़क जस की तस पड़ी है। मिट्टी धंस गई है, गड्ढे हो गए हैं। विकास के दावे खोखले: सरकार हर मंच से कहती है - कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। लेकिन इस रोड की हालत देखकर लगता है कि कैसे बेटियां पढ़ पाएंगी? जब स्कूल जाने का रास्ता ही कीचड़ पानी से भरा हो तो शिक्षा का अधिकार कैसे मिलेगा? यह सड़क स्वच्छ भारत मिशन, शिक्षा के अधिकार और ग्रामीण विकास के सारे दावों की पोल खोल रही है टीला का खेड़ा, राजपुरा और गुरला के समस्त ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूर-जोर मांग की है कि इस सड़क का तुरंत सर्वे करवाया जाए और इसे सीसी रोड या डामरीकरण कर पक्का बनाया जाए। साथ ही दोनों तरफ नाली निर्माण भी किया जाए ताकि पानी सड़क पर न भरे। अगर जल्द ही इस सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो ग्रामीणों ने आंदोलन करने और जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

अब देखना यह है कि इस खबर के बाद प्रशासन की नींव खुलती है या फिर बच्चों को इसी तरह कीचड़ में अपना भविष्य तलाशना पड़ेगा।



राजस्व रिकॉर्ड से खिलवाड़ और भू-माफियाओं का मकड़जाल

चित्तौड़गढ़ में कब्रिस्तान और रास्तों की जमीन पर सुनियोजित अतिक्रमण...

स्मार्ट हलचल

खोजी रिपोर्ट - आकाश शर्मा चित्तौड़गढ़ । चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय के राजस्व इतिहास में एक ऐसा गंभीर प्रकरण सामने आया है, जो प्रशासनिक तंत्र की पारदर्शिता और न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवालिया निशान खड़े करता है। ग्राम चित्तौड़गढ़ की साविक आराजी नंबर 979/मी. और 978/मी., जो कि मूल रूप से जनहित, सार्वजनिक उपयोग और धार्मिक भावना से जुड़ी कब्रिस्तान व रास्तों की भूमि थी, उसे सेटलमेंट के पश्चात नवीन आराजी नंबर 1702 (रकबा 0.26 हेक्टेयर) के रूप में दर्ज किया गया था । लेकिन रसूखदार निजी व्यक्तियों को अवैध लाभ पहुंचाने के लिए इस भूमि के रिकॉर्ड में जो हेरफेर की गई, वह प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है ।

इस गंभीर प्रकरण के मुख्य बिंदु- रिकॉर्ड में अवैध काट-छांट - बिना किसी सक्षम न्यायालय या प्राधिकृत



अधिकारी के वैध आदेश के, राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज 'कब्रिस्तान व रास्ता' की प्रविष्टि को हटाकर चुपचाप 'सिनेमा' के नाम पर दर्ज कर दिया गया। संवत् 2036 के रिकॉर्ड की गवाही- ग्राम चित्तौड़गढ़ के राजस्व अभिलेख (संवत् 2036 के मिलान खसरे) इस बात के पुख्ता गवाह हैं कि उक्त भूमि हमेशा से कब्रिस्तान और सार्वजनिक

रास्ते के नाम पर दर्ज चली आ रही थी। कानून की संरक्षण धज्जियां - कानूनी प्रावधानों के अनुसार, सार्वजनिक हित, रास्तों और कब्रिस्तानों के लिए आरक्षित भूमि का किसी भी निजी व्यक्ति के पक्ष में आवंटन, नियमन या उपयोग-उपभोग परिवर्तन पूर्णतः प्रतिबंधित और गैर-कानूनी है। भ्रष्टाचार और मिलीभगत -

तत्कालीन समय के कुछ भ्रष्ट राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर बिना किसी उचित वैधानिक प्रक्रिया के यह कारनामा अंजाम दिया, जो कि पूरी तरह विधि-विरुद्ध और आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आता है।

निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच एक ओर जहाँ शासन आम जनता को

न्याय और पारदर्शी प्रशासन देने का दावा करता है, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार के मामले सरकारी तंत्र के भीतर छिपे उन तत्वों को बेनकाब करते हैं जो निजी स्वार्थ के लिए सार्वजनिक संपत्तियों को खूद-बुर्द करने से बाज नहीं आते। कब्रिस्तान और रास्तों जैसी संवेदनशील और अति-आवश्यक सार्वजनिक संपत्तियों पर इस तरह का डाका डालना न केवल जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ है, बल्कि कानून के शासन को खुली चुनौती भी है।

यह प्रकरण सिर्फ एक खसरे का फेरबदल नहीं है, बल्कि यह इस बात की बानगी है कि कैसे मिलीभगत से सरकारी दस्तावेजों को बदला जाता है। अब समय आ गया है कि शासन प्रशासन इस खुलासे का संज्ञान ले, संवत् 2036 से लेकर अब तक के तमाम पत्रावलियों की स्वतंत्र व उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, और रिकॉर्ड में अवैध फेरबदल करने वाले वीथियों तथा अनुचित लाभ उठाने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ कठोरतम

वैधानिक कार्रवाई की जाए । गौरतलब हैं वर्तमान नगर परिषद आयुक्त पूर्व में रास्तों व नालों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दे चुके हैं लेकिन रसूख के काबिज अतिक्रमण को देखा तक नहीं और तो और रसूख को पट्टा तक जारी कर दिया थ

बने रहें हमारे साथ... जल्द बेनकाब होंगे इस खेल के असली चेहरे !

युआईटी और भू-माफियाओं का बड़ा खेल !शहर के मास्टर प्लान में बताये गये भू उपयोग के अनुसार कृषि भूमि का अकृषि में परिवर्तन किए बिना मास्टर प्लान के विरुद्ध 90+ और योजनाओं का अनुमोदन धड़ल्ले से किया जा रहा है। जिन अवैध योजनाओं को सील किया गया था, उन्हें अब भू-माफियाओं के प्रभाव में आकर फिर से बहाल किया जा रहा है। सबूत खुद ही गवाही दे रहा है चामटी खड़ा गांव (कंडारा वाली जमीन) की युआईटी पत्रावली इसका खुला प्रमाण है । जल्द आ रहा है.....

वादे किए थे, अब निभा रहे हैं: वार्ड 31 की समस्याओं के समाधान में जुटे पार्षद लोकेश सामरिया

खराब हैंडपंपों से लेकर बंद रोड लाइटों तक, लगातार करवा रहे समस्या का समाधान – वार्डवासियों ने जताया आभार

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। वार्ड संख्या 31 में वार्डवासियों की मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर पार्षद लोकेश सामरिया लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। चुनाव से पहले वार्डवासियों से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पार्षद द्वारा क्षेत्र में लंबे समय से खराब पड़े हैंडपंपों को दुरुस्त करवाने के साथ ही बंद पड़ी रोड लाइटों एवं लाइट पोल की समस्याओं का भी समाधान करवाया जा रहा है। वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से पेयजल और प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं सामने आ रही थीं। इन समस्याओं को लेकर वार्डवासियों द्वारा कई बार शिकायतें भी की गई थीं। पार्षद लोकेश सामरिया ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग एवं कर्मचारियों से समन्वय कर इनके समाधान की पहल की। कई स्थानों पर खराब हैंडपंपों को ठीक करवाया गया, वहीं बंद पड़ी लाइटों को भी दुरुस्त करवाने का कार्य किया गया। वार्डवासियों का कहना है कि पार्षद केवल आश्वासन देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मौके पर पहुंचकर समस्याओं को देखते हैं और उनके समाधान के लिए प्रयास करते हैं। वार्ड में लगातार हो रहे कार्यों से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर वार्डवासियों ने पार्षद लोकेश सामरिया का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें ऐसा जनप्रतिनिधि मिला है, जो वार्ड की छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर गंभीरता से काम कर रहा है। लोगों ने उत्साह के साथ 'ऐसा हो हमारा पार्षद, जो वार्ड की समस्याओं को दूर करे' और 'लोकेश सामरिया जिंदाबाद' जैसे नारे भी लगाए। वार्डवासियों ने उम्मीद जताई कि इसी तरह सक्रियता के साथ आगे भी वार्ड की शेष समस्याओं का समाधान होगा और वार्ड में विकास कार्यों को गति मिलेगी।



गांधी एवं शास्त्री जयंती पर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के सानिध्य में श्रद्धासुमन अर्पित

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभुपुरा। गांधी एवं शास्त्री जयंती के पावन अवसर पर शहर कांग्रेस के तत्वावधान में सेटेलाइट हॉस्पिटल परिसर स्थित गांधी वाटिका में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के सानिध्य में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने दोनों महान विभूतियों के जीवन, संघर्ष और राष्ट्रसेवा को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, स्वदेशी और सामाजिक सद्भाव के माध्यम से देश को स्वतंत्रता के संघर्ष में नई दिशा दी। उनका जीवन सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की मिसाल रहा। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद उन्होंने देश के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में कठिन परिस्थितियों में राष्ट्र का नेतृत्व किया। वर्ष 1965 के चुनौतीपूर्ण दौर में उनका 'जय जवान, जय किसान' का संदेश देश की सुरक्षा और कृषि शक्ति के महत्व को रेखांकित करता है। जाड़ावत ने कहा कि गांधी जी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री जी के सादगी-कर्तव्यनिष्ठा के आदर्श आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इन



महान विभूतियों के विचारों को अपने आचरण में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धाजलि होगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा शहर अध्यक्ष अनिल सोनी पूर्व सभापति रमेशनाथ योगी प्रदेश सचिव रणजीत लोट पूर्व जिला संगठन महामंत्री महेंद्र शर्मा शहर संगठन महामंत्री महेश काकानी अभिमन्यु सिंह जाड़ावत बालमुकुंद मालीवाल गोविन्द शर्मा धर्मेन्द्र मूंदड़ा आजाद पालीवाल शंभुलाल प्रजापत राजेश सोनी राकेश धारू नवरतन जीनगर नवीन जैन एडवोकेट अभिषेक गर्ग बृज किशोर साहू रामेश्वर बैरवा दौलतराम पिंगोलिया नरेंद्र विजयवर्गीय मोहन भोंई शैलेन्द्र सिंह शक्तावत मनोष चांवला प्रदीप सिंह अभित लड्डा विल्वर सिंह राजेश कुमार कंडारा बहादुर बैरवा प्रभु रैगर नीरज प्रजापत अक्षय सिंह भरत जोशी अमरकंट उपाध्यक्ष बी एल धारू सुरेश जटिया बालकिशन भोंई देवीलाल सालवी अजय मल्होत्रा भूपेंद्र प्रताप सिंह फतेहसिंह रावत संजय राव सत्तू गुर्जर सहित कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाराणा कुंभा ट्रस्ट व राजपूत समाज ने महापौर जसवंत कंवर व नवनिर्वाचित पार्षदों का किया अभिनंदन...

महाराणा कुंभा ट्रस्ट में जुटा समाज, जनप्रतिनिधियों ने शहर के विकास में सर्व समाज की सहभागिता को बताया जरूरी

महापौर जसवंत कंवर के नेतृत्व में भीलवाड़ा विकास के नए आयाम छुएगा: हेमेंद्र सिंह डाबला

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / महापौर की कुर्सी संभालते ही जसवंत कंवर के साथ राजपूत समाज ने विकास की उम्मीदों का संदेश दिया। महाराणा कुंभा ट्रस्ट के तत्वावधान में जुटे राजपूत समाजजनों ने नगर निगम की नई महापौर और नवनिर्वाचित पार्षदों का अभिनंदन किया। मंच से एक ओर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं तो दूसरी ओर महापौर व नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं और शहर के विकास को नई दिशा देने की



अपेक्षा जताई गई। समारोह में भाजपा के सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष समेत कई प्रमुख जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। महाराणा कुंभा ट्रस्ट में आयोजित सम्मान समारोह में राजपूत समाज की ताकत और एकजुटता नजर आई। ट्रस्ट अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह डाबला ने कहा कि भाजपा ने समाज की बेटी जसवंत कंवर पर विश्वास जताते हुए उन्हें महापौर की जिम्मेदारी सौंपी है। समाज की ओर से विश्वास दिलाते हैं कि उनके नेतृत्व में भीलवाड़ा

विकास के नए आयाम छुएगा। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में सर्व समाज की सहभागिता जरूरी है। महापौर जसवंत कंवर ने कहा कि निगम के नवनिर्वाचित पार्षदों और सभी जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर शहर के विकास, स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। शहर के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कार्य करने का प्रयास रहेगा। समारोह में भीलवाड़ा, ट्रस्ट उपाध्यक्ष गोविंद सिंह, कुलदीप सिंह, सचिव भगवत सिंह खारड़ा,

अशोक कोठारी, पूर्व विधायक विठ्ठल शंकर अक्खरी, भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं नगर निगम प्रभारी वीरमदेव सिंह, उपमहापौर राधेश्याम सोमानी, ट्रस्ट अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह डाबला, पूर्व जिला प्रमुख शक्ति सिंह हाड़ा, ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष मणिराज सिंह, जोहर स्मृति संस्थान के उपाध्यक्ष चतर सिंह मोटारस, बार एसोसिएशन अध्यक्ष उममेद सिंह राठौड़, गजराज सिंह हाथीपुरा सहित ट्रस्ट संरक्षक मेघ सिंह, मनोहर सिंह, ट्रस्ट उपाध्यक्ष गोविंद सिंह, कुलदीप सिंह, सचिव भगवत सिंह खारड़ा,

कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह बलवंत सिंह मंगरोप, सुरेंद्र सिंह, जयराज सिंह बल्दरखा, चंद्रवीर सिंह जगपुरा, तेजवीर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह मंडफिया, किरण सिंह दौलतगढ़, चावंड़ सिंह, भाजपा जिला प्रवक्ता भूपेंद्र सिंह बिलिया, जोरावर सिंह बेलवा, पूर्व प्रधान करण सिंह बेलवा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, डॉ कुलदीप सिंह, डॉ नरेंद्र सिंह, ट्रस्टी लादू सिंह शक्तावत, विक्रम सिंह राठौड़, पृथ्वीपाल सिंह आमली, महेंद्र सिंह बेरा, योगेंद्र सिंह, तेजप्रताप सिंह, विरेंद्र सिंह गुलगांव, चैन सिंह राठौड़, प्रताप युवा शक्ति के प्रदेश उपाध्यक्ष कान सिंह, जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह भाटी, राष्ट्रीय करनी सेना के अध्यक्ष धनराज सिंह अमरतिया, बबलू सिंह ठुमिया, एडवोकेट नरेंद्र सिंह मोटारस, मयूर सिंह राठौड़ सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट प्रवक्ता जयराज सिंह बल्दरखा ने किया।

कांग्रेस, भाजपा और बगावत का ‘फिक्स मैच’

स्मार्ट हलचल

विशेष राजनीतिक रिपोर्ट-आकाश शर्मा चित्तौड़गढ़ । विकास के मंचों पर जब नेताओं का जमावड़ा लगता है, तो ढोल-नगाड़ों और वादों के शोर के बीच सियासत का असली और बदरंग चेहरा सामने आ जाता है। जरा इन मंचों की ओर देखिए, यहाँ वे तमाम चेहरे भी पूरे शान से बैठे नजर आते हैं, जिनके राजनीतिक इतिहास में कभी भाजपा की जमानत जब्ती या कांग्रेस के दफ्तरों में हुई नारेबाजी के किस्से राजनीतिक गलियारों में कोहराम मचाते थे। राजनीति भी गजब की सौदागर चीज है। यहाँ न कोई स्थायी दुश्मन है और न ही कोई पक्का वैचारिक सिपाही! चुनाव के पहले तक जो नेता टिकट न मिलने पर पार्टी का सबसे बड़ा 'गद्दार' और 'बागी' करार दिया जाता है, चुनाव के नतीजे आते ही वही रातों-रात पार्टी का 'सम्मननीय मार्गदर्शक' है। 'जिताऊ चेहरा' कैसे बन जाता है ? निकाय चुनाव में पूरे राजस्थान से चुनाव बागियों के जो आंकड़े आए, वे बेहद चौंकाते वाले थे, अब दोनों ही पार्टियों को आने वाले पंचायत चुनाव में फूंक-फूंक कर कदम रखना होगा, कहीं ऐसा न हो कि बागियों का यह बढ़ती ग्राफ पार्टियों के लिए फिर से बड़ी मुसीबत बन जाए। जरा सोचिए उस निष्ठावान कार्यकर्ता की मनोदशा पर, जो कल तक धूप और धूल में पार्टी का झंडा उठाए उसी बागी के खिलाफ गाल फाड़कर नारे लगा रहा



था और आज? आज उसी बागी को मंच पर माला पहनाने और उसके साथ ठहाके लगाने की मजबूरी उसकी किस्मत बन चुकी है। कल तक जिस बागी ने पार्टी को चुनावी पटखनी देने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, आज वह सत्ता के गलियारों में मलाई काट रहा है, और सच के लिए खून-पसीना बहाने वाला कार्यकर्ता ठगा सा सिर्फ किनारे खड़ा तमाशा देखता रह जाता है ।

चाहे बात कांग्रेस की गुटबाजी के अखाड़े की हो, जहाँ अपनी की ही पीठ में खंजर घोंपना पुरानी परंपरा है, या फिर भाजपा के अनुशासित होने के दावों की,

जहाँ टिकट बंटते ही बागी-बागी खेल शुरू हो जाता है, सच्चाई दोनों तरफ एक जैसी ही है। वाह रे राजनीति! टिकट नहीं मिला तो बगावत, बगावत हुई तो चुनावी मुकाबला, चुनाव खत्म हुआ तो सोदेबाजी के समीकरण, और समीकरण बने तो फिर वही बागी अपने! आइडियोलॉजी, उसूल और विचारधारा सिर्फ चुनावी भाषणों के जुमले हैं, असली खेल तो कुर्सी और समझौतों का है!

वफादार का पसीना, सियासत का सबसे बड़ा मज़ाक !

जिस कार्यकर्ता ने पांच साल तक धूप-

छांव में पार्टी के लिए नारे लगाए, बूथ संभाला, झंडा उठाया और नेताओं की रैलियों में भीड़ जुटाई वह जब अपने हक का टिकट मांगता है, तो उसे अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है कि 'संगठन बहुत बड़ा है, धैर्य रखो !' लेकिन जो सिरिफ़ि़र नेता टिकट न मिलने पर पार्टी को गालियाँ बकता है, बगावत का झंडा उठाता है और चुनावी चोट देता है, चुनाव के बाद उसी पर नुक्तों और समझौतों की बरसात कर दी जाती है। तब पार्टी के रणनीतिकार दलील देते हैं 'राजनीति में सबको साथ लेकर चलना पड़ता है !' अब वह बेचारा निष्ठावान कार्यकर्ता

पूछे भी तो किससे पूछे, 'साहब, यह अनुशासन का चाबुक सिर्फ वफादार के लिए है या बगावत करने वालों की सहूलियत के लिए भी कोई छूट है ?' सहीलियत के लिए भी कोई छूट है ?' मिथानसभा से लेकर निकाय चुनावों तक, इस बगावत की मंडी ने पार्टियों के मूखोट उतारकर रख दिए हैं । कहीं निर्दलीय बनकर अपनी की लुटिया डुबोई, कहीं अधिकृत प्रत्याशी के वोट काटे, तो कहीं चुनाव के बाद वही बागी सत्ता के गलियारों में सबसे खास बन बैठा। इस पूरे खेल में एक किरदार हमेशा खामोश रहता है वह है खून-पसीना बहाने वाला वह कार्यकर्ता, जो आज भी अपने ही नेताओं से कुदृते हुए सिर्फ इतना ही पूछ पाता है, 'जब इसने पार्टी को रौंदा था, तब पार्टी ने इसे क्यों नहीं रोका था ?'

मंच से ज्यादा मंच के पीछे का सच ! शुक है कि आज की जनता इतनी अंधी और भोली नहीं रही कि चुनावी पोस्टरों की सुंदर कहानियों पर आँख मूंदकर यकीन कर ले। जनता की निगाहें मंच पर खड़े नेताओं के भाषणों से ज्यादा, उनके मंच के पीछे के सौंदों पर टिकी रहती हैं। जनता जानती है कि कल तक जो एक-दूसरे को फूटी आँख नहीं सुहाते थे, आज वे पर्दे के पीछे किसके साथ चाय की प्यालियाँ और सत्ता की मलाई बाँट रहे हैं। जनता पहचान चुकी है कि कौन चुनाव के बाद उसी पर नुक्तों और समझौतों की बरसात कर दी जाती है। तब पार्टी के रणनीतिकार दलील देते हैं 'राजनीति में सबको साथ लेकर चलना पड़ता है !' अब वह बेचारा निष्ठावान कार्यकर्ता

को जन्म देती है चुनाव में बागी, सत्ता में साथी, और अगली बार फिर वही जनता से छेड़कर उसलों की चादर ओढ़ ली। दीया और सफेद चैंटी, खोखला होता तंत्र ! राजनीति में अब सिद्धांतों की उम्र छोटी हो गई है और समय बदलकर रंग बदलना ही सबसे बड़ा 'फायदेमंद हुनर' बन चुका है। यही वह नाजूक मोड़ है जहाँ 'दीया' और 'सफेद चैंटी' का असली फर्क सत्ता के गलियारों में सबसे खास बन बैठा है। पार्टी का सच और निष्ठावान कार्यकर्ता भी कुछ ऐसा ही है, जो अपने हिस्से का सुख, समय और सुकून त्याग कर संगठन के मजबूत खंभे की तरह खड़ा रहता है। सफेद चैंटी वह न शोर मचाती है, न मंचों पर बड़े-बड़े भाषण सुंदर और सुरक्षित ही दिखने देती है; बस चुपचाप भीतर-ही-भीतर संगठन की जड़ों को खोखला करती रहती है ! इसलिए आज सत्ता के सिंहासन पर बेफिक्र बैठे नेताओं से सीधा और कड़वा सवाल है बागी को गले लगाने से पहले क्या आपने उस कार्यकर्ता का चेहरा भी देखा है, जिसने हर मौसम में आपके लिए पसीना बहाया था ? क्या उस पीड़ित नेता की चीख भी सुनी है, जिसे अपनी को बगावत ने बीच मझाथर में चुनावी चोट दी थी ? जरा कभी उस कार्यकर्ता की आँखों में भी झाँककर देखिए, जिसने नगर निकाय चुनावों के बाद मलाईदार

पदों के लिए बगावत नहीं की, पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि चुपचाप अपना हक और पद छोड़कर उसलों की चादर ओढ़ ली। जनता की उस पैनी नजर को भी मत भूलिए, जो आज भले ही खामोश रहकर मुकुरुरा रही है, लेकिन जब वक्त आता है, तो वही मुस्कान आपके पूरे राजनीतिक गाँवत को जमींदोज कर देती है। निकाय से पंचायत का सफर, अब फूंक-फूंक कर रखने होंगे कदम ! सत्ता के सिंहासन पर बैठे आखिर इन हुक्मरानों को कौन समझाए ? कल का बागी आज अवसर बनकर गले मिलना राजनीति की तात्कालिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन उसी बागी को बार-बार सिर आँखों पर बिठाना पार्टी के लिए खून बहाने वाले वफादारों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। निकाय चुनावों में बागियों के जो आंकड़े सामने आए, वे बेहद चौंकाते वाले थे जहाँ अपनी की बगावत ने कई दिग्गजों के समीकरण खड़ा दिए और दलों को भीतर से खोखला कर दिया। इन नतीजों से सबक लेते हुए अब दोनों ही प्रमुख पार्टियों (कांग्रेस और भाजपा) को आने वाले पंचायत चुनावों में फूंक-फूंक कर कदम रखना होगा। यदि समय रहते इस अवसरवादी संस्कृति पर लगाम नहीं लगाई गई, तो बागियों का यह बढ़ता ग्राफ आने वाले चुनावों में पार्टियों की तमनना को पूरी तरह तहस-नहस कर देगा। याद रखिए, यह सवाल जितना ज्यादा दबाया जाएगा, कल यह उतना ही बड़ा और विस्फोटक बनकर फूटेंगा !

पर्यावरण और स्वच्छता पर वन विभाग की अनूठी पहल

स्मार्ट हलचल

रिपोर्ट-आकाश शर्मा चित्तौड़गढ़ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य-अहिंसा और स्वच्छता के महान संदेश तथा देश के द्वितीय प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री के औजरवी सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए, आज उपवन संरक्षक (DFO) कार्यालय चित्तौड़गढ़ के यशस्वी नेतृत्व और मार्गदर्शन में जिलेभर में एक ऐतिहासिक, व्यापक एवं अनुकरणीय विशेष स्वच्छता महाअभियान का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल एक दिवसीय औपचारिकता या सांकेतिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन और जन-जागरण की दिशा में लिया गया एक ऐसा सशक्त, दूरदर्शी एवं अचल संकल्प है जो संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र और समाज के लिए नजीर बन गया है। इस महाअभियान के माध्यम से वन विभाग ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि

महिला स्वावलंबन की दिशा में ‘मनोरमा सखी परिवार’ की पहल, छह माह में 100 से अधिक महिलाएं जुड़ीं चार राज्यों में पहुंचा कारोबार, अब दुकानों के बजाय महिलाओं के माध्यम से होगा संचालन

स्मार्ट हलचल



अनिल कुमार खींची ब्यावर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'मनोरमा सखी परिवार' छह माह में ही राजस्थान सहित चार राज्यों तक पहुंच गया है। संस्था की प्रोपराइटर मनोरमा भट्टेरा ने बताया कि अब तक 100 से अधिक महिलाएं परिवार से जुड़ चुकी हैं। वर्तमान में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में संस्था का कार्य संचालित हो रहा है। मनोरमा भट्टेरा ने बताया कि वर्ष 2002 में उन्होंने अपने घर की किराना दुकान से शुद्ध एवं कैमिकल-फ्री उत्पाद तैयार कर बेचने की शुरुआत की थी। ब्यावर एवं आसपास के लोगों के स्नेह और विश्वास से उत्पादों की मांग बढ़ती गई। करीब दो वर्ष पूर्व वेटे और पोते के सहयोग से इस कार्य को बड़े स्तर पर शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने का सपना शुरू से रहा है। इसी उद्देश्य से छह माह पूर्व 'मनोरमा सखी परिवार' की नींव रखी गई। महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए पारंपरिक डिस्ट्रीब्यूटर, बाजार और दुकानों के माध्यम से कार्य करने की व्यवस्था को लगभग समाप्त कर दिया गया है। अब संस्था का कार्य केवल महिलाओं के माध्यम से संचालित किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि इच्छुक महिलाएं अपनी मेहनत और इच्छाशक्ति के साथ 'मनोरमा सखी परिवार' से जुड़कर स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। इस पहल को अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से आमजन एवं मीडिया के सहयोग की अपेक्षा बताई गई। इस अवसर पर रम्याी राठी, मनोरमा ठौना मुखर्जन, सिद्धि सैन एवं सीमा कुमावत सहित अन्य उपस्थित रहे।

कटूमर के सरपंचों ने जयपुर में लिया जनप्रतिनिधि प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम में भाग

स्मार्ट हलचल

कटूमर। कटूमर पंचायत समिति के सरपंच संघ अध्यक्ष जोरमल जाटव के नेतृत्व में क्षेत्र के सरपंचों एवं पंचायती राज जनप्रतिनिधियों ने शुक्रवार को जयपुर स्थित माहेस्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के तक्षशिला ऑडिटोरियम में आयोजित 'पंचायती राज जनप्रतिनिधि प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम' में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भनजलाल शर्मा ने प्रदेशभर से आए सरपंचों एवं पंचायती राज जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव के विकास में सरपंच महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र का सर्वांग, मजदूर और किसान अपनी समस्याओं व उम्मीदों को लेकर सबसे पहले सरपंच के पास पहुंचता है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। संवाद कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों से आए सरपंचों ने अपने क्षेत्रों में कराए गए विकास कार्यों तथा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी साझा की। इस दौरान आगामी पंचायत चुनावों को 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की अवधारणा के अनुरूप एक साथ कराने तथा ग्रामीण विकास की निरंतरता बनाए रखने को लेकर भी चर्चा हुई। कटूमर पंचायत समिति के सरपंच संघ के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर ग्रामीण विकास, पंचायतों की भूमिका और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर संवाद किया। इस मौके पर सरपंच संघ के टिटुपुरी प्रशासक हवीर चौधरी, कल्लूखाम चौधरी बेरका, प्रशांत सिंह खेरली रेल, दिनेश चंद टिकरी, खेमा यादव बहुतुक्ला, श्रीमान सौख आदि मौजूद रहे।

योग से निरोग रहने का संदेश, शिशु प्रदर्शनी में स्वास्थ्य जागरूकता नानी बाई रो मायरो कथा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब...

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। फतेहपुरिया बगीची में आयोजित 12 दिवसीय 5150वें श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के द्वितीय दिवस योग शिविर, शिशु प्रदर्शनी एवं नानी बाई रो मायरो कथा सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। सुबह से देर शाम तक चले आयोजनों में समाजबंधुओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह 6 से 7 बजे तक आयोजित योग शिविर में योग गुरु डॉ. महेंद्र गर्ग ने विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास करावते हुए निरोग रहने के गुर बताए। जयंती संयोजक पवन रायपुरिया ने बताया कि योग शिविर की व्यवस्थाओं में नरेश भित्तल, संजय जितल, सुशील सिंघल, निशा गर्ग, सीमा जितल, ललिता जालान एवं रेखा गर्ग ने सहयोग किया। मंत्री निखिल जितल ने बताया कि सुबह 9.30 बजे गणेशदास ओमप्रकाश बारदान वालों के सहयोग से शिशु प्रदर्शनी



आयोजित हुई। इसमें डॉ. अशोक बंसल, डॉ. विनय वर्मा एवं डॉ. वीरेंद्र शर्मा ने शिशुओं के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। चिकित्सकों ने सभी प्रतिभागिता शिशुओं का 100 प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण होने पर खुशी जताई तथा माताओं को मां के दूध के महत्व की जानकारी दी। अतुल बंसल, गोपाल डाणी, गिरीश गुप्ता एवं अतुल सिंघल के संयोजन में आयोजित शिशु प्रदर्शनी के 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम स्थान दैविक गर्ग/चिराग गर्ग एवं द्वितीय स्थान

विहा गर्ग/अनुज गर्ग ने प्राप्त किया। भाविक जितल/निखिल जितल तथा पूर्णा अग्रवाल/शुभम गोयल भी पुरस्कार के हकदार रहे। वहीं 1 से 2 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम स्थान ताषवी गोयल/शिवम गोयल तथा द्वितीय स्थान वृत्तन अग्रवाल/हिमांशु अग्रवाल ने प्राप्त किया।

नानी बाई रो मायरो में भक्ति से सराबोर हुआ पंडाल

अध्यक्ष अमित बंसल के अनुसार दोपहर 3.30 बजे बी.एम. अग्रवाल परिवार के सहयोग से नानी बाई रो



मायरो कथा का आयोजन हुआ। कथा व्यास प्रियांशी भारद्वाज ने कथा के दूसरे दिन नरसी भक्त की भक्ति, संघर्ष और भगवान द्वारिकाधीश के प्रति अटूट विश्वास का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि नानी बाई की पुत्री के विवाह में मायरा भरने के लिए नरसी अपने साधु-संतों के साथ जुनागढ़ के लिए रवाना होते हैं। रास्ते में गाड़ी टूटने पर भगवान द्वारिकाधीश किशना खाती के रूप में पहुंचते हैं और गाड़ी ठीक करने के साथ स्वयं बैलों को हांकते हुए नरसी

के साथ जुनागढ़ पहुंचते हैं। कथा में नरसीजी की हुंडी सहित विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए संगत के महत्व को बताया गया। कथा के दौरान 'सांवरिया के आगे खड्डों में कर जोड़', 'टूटी गाड़ी बूढ़ा बैल' सहित भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान आयोजक परिवार के मुकेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण कंदोई, विनोद गर्ग, प्रशांत गर्ग, अनिता अग्रवाल, कविता अग्रवाल,

आशा अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सुमन अग्रवाल एवं सरिता अग्रवाल सहित पार्षद गोविंद अग्रवाल, माणक डाणी, गणपत सर्राफ, प्रेम जितल, मुकेश अरडुका, श्रवण बंसल, शांतिप्रकाश डाणी, राधेश्याम डाणी, मुकेश गर्ग एवं अशोक गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। शनिवार को होगा नानी बाई रो मायरो का समाहार

जयंती सहसंयोजक अजय गोयल एवं कमल सर्राफ ने बताया कि शनिवार सुबह 6 से 7 बजे तक योग प्रशिक्षक

महेंद्र गर्ग द्वारा योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया जाएगा। दोपहर 3.30 बजे नानी बाई रो मायरो के समाहार दिवस पर भगवान द्वारिकाधीश द्वारा राधा, रुक्मणी,

रानियां एवं पटरानियों के साथ नानी बाई के ससुराल पहुंचकर मायरा भरने का प्रसंग सुनाया जाएगा। सहसंयोजक भरत अग्रवाल, निशाल भित्तल एवं जिनेंद्र सिंघल ने शहरवासियों से कथा श्रवण का आग्रह किया।

अब जिले में ‘गुरुवार’ स्वच्छता और पर्यावरण का वार...

पर्यावरण और स्वच्छता पर वन विभाग की अनूठी पहल

अब जिले में "गुरुवार" स्वच्छता और पर्यावरण का वार

हरियाली की रक्षा और स्वच्छता का विस्तार केवल कागजी दावे नहीं, बल्कि हमारी सर्वोच्च नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

कार्यालयों से लेकर नर्सियों तक गूँजा स्वच्छता का संदेश ! अभियान के तहत वन विभाग के मुख्यालय, सभी डिवीजनों, रेंजों,

चौकियों, नाकों और नर्सरी परिसरों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरी तन्मयता के साथ श्रमदान किया। इस सामूहिक प्रयास ने यह साबित कर

दिया कि स्वच्छता और हरियाली की शुरुआत सबसे पहले खुद के कार्यस्थल से होनी चाहिए । अब हर हफ्ते 'गुरुवार' बनेगा स्वच्छता और पर्यावरण का वार उपवन संरक्षक वी. केतन कुमार ने इस अवसर पर एक बेहद प्रेरणादायक घोषणा करते हुए बताया कि यह अभियान केवल 2 अक्टूबर तक सीमित नहीं रहेगा। अब से प्रत्येक सप्ताह के गुरुवार को सुबह 7:00 बजे से 8:30 बजे तक वन विभाग से जुड़े सभी कार्यालयों और परिसरों में नियमित रूप से एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल कार्यालयों को स्वच्छ रखना है, बल्कि आमजन को यह संदेश देना है कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए ।

शहरवासियों के लिए प्रेरणा और अन्य विभागों के लिए संदेश ! वन विभाग की यह पहल शहर के अन्य सरकारी कार्यालयों, संस्थानों और आम नागरिकों के लिए एक मजबूत संदेश और प्रेरणास्त्रोत है। यदि हर विभाग और नागरिक अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने की ऐसी ही नियमित आदत डाल ले, तो चित्तौड़गढ़ को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने का सपना जल्द ही पूरा हो सकता है। प्रकृति के प्रति यह समर्पण पूरे समाज को एक नई दिशा देने वाला है। वन्यजीवों और प्रकृति की सुरक्षा का संकल्प ! स्वच्छता अभियान के साथ ही आज से वर्ल्ड वाइल्डलाइफ वीक (वन्यजीव सप्ताह) का भी भव्य शुभारंभ हो गया है, जो आगामी 8 अक्टूबर तक चलेगा।

इस दौरान चित्तौड़गढ़ जिले में वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण के प्रति जन-जागृत बढ़ाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लकड़ी तस्करो को दो टूक चेतावनी ! खैर की बहुमूल्य लकड़ी की तस्करी से जुड़े एक सवाल पर डीएफओ वी. केतन कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वन विभाग अवैध गतिविधियों के खिलाफ पूरी तरह सतर्क और सख्त है। विभाग के पास तस्करी से निपटने के लिए सभी आवश्यक कानूनी प्रावधान और साधन मौजूद हैं। कुछ संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर लिया गया है, और बहुत जल्द एक ठोस कार्ययोजना (प्लानिंग) के तहत तस्करो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गांधी जयंती पर SBI की CSR पहल, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री एवं सुविधाएं प्रदान



स्मार्ट हलचल

उदयपुर, गांधी जयंती के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्र-प्रथम, उदयपुर की ओर से सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रज्ञा चक्र, अम्बामाता, उदयपुर में विशेष पहल की गई। इस दौरान दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं सीखने की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न उपयोगी सामग्री एवं संसाधन उपलब्ध कराए गए। SBI की ओर से विद्यालय को 110 बेल प्लेड्स, 110 टेलर फ्रेम सेट, हिंदी एवं अंग्रेजी अल्फाबेट सेट, 3 अलमरियायें तथा कक्षाओं के लिए 15 स्पीकर एवं माइक सहित 1 PA सिस्टम प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय प्रबंधक एम. जी. व्यास तथा विशिष्ट अतिथि SBI प्रबंधक धर्मेवर भाटिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतुल भारद्वाज, योगेश अग्रवाल सहित SBI के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। विद्यालय की ओर से प्रधानाचार्य श्रीचंद जीवनानी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। SBI की टीम ने विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उन्हें बेसिक बैंकिंग सुविधाओं और NPS वात्सल्य जैसी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ वित्तीय जागरूकता के महत्व से भी अवगत कराया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया गया। SBI की इस पहल का उद्देश्य समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं में सहयोग करना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। विद्यालय प्रशासन एवं अधिकारियों ने भारतीय स्टेट बैंक की इस प्दस्स पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी और सराहनीय कदम बताया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शास्त्री जयंती पर प्रभात फेरी एवं रामधुनी सहित हुए विभिन्न कार्यक्रम



स्मार्ट हलचल

दौसा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित गांधी सर्किटल पर प्रभात फेरी, रामधुनी एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, धर्मगुरुओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन ने सहभागिता कर गांधीजी एवं शास्त्रीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. सोम्या झा, पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित एवं नगर परिषद सभापति रेखा गुर्जर ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सूत की माला पहनाई तथा गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत पीजी कॉलेज सहित विभिन्न विद्यालयों से विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी से हुई। प्रभात फेरी गांधी सर्किटल पहुंची, जहां विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कला जत्था टीम एवं लोक कलाकारों ने 'हर मजहब जिसको प्यारा, वो ईसान चाहिए...', 'राम है तू, रहैम है...' सहित विभिन्न भजनों एवं रामधुनी की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु भी उपस्थित रहे। धर्मगुरुओं ने अपने उद्बोधन में आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए कहा कि प्राणी मात्र के प्रति दया, समाज के कल्याण तथा एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव सभी में होना चाहिए। गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देने का आह्वान जिला कलक्टर डॉ. सोम्या झा ने गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी के मूलमंत्र को जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने गांधीजी के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भी कोई निर्णय ले, तो उस सबसे गरीब और लाचार व्यक्ति का चेहरा याद करें जिसे हमने कभी देखा हो और स्वयं से पूछें कि हमारे द्वारा उठाया जाने वाला कदम उसके लिए कितना उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि गांधीजी के इस विचार को अपने जीवन में अपनाकर हम समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की दिशा में सार्थक योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी संजू मौणा, जिला परिवेक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी रामराज मीना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शारीरिक शिक्षक, विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामवीर चौधरी ने किया।

संक्षिप्त

समाचार

नशे में धुत सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पैदल चल रहे सात लोगों को गाड़ी से रौंदा

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के कमला नगर इलाके में कुशाइगुडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। यह घटना 29 सितंबर की है। इस मामले में कार ड्राइवर की पहचान सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर हुई है। जांच में सामने आया है कि जब यह हादसा हुआ, तब वो नशे में धुत था। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस हादसे में सात लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को गंभीर चोटें आईं बताया जा रहा है कि पीड़ित बिहार के रहने वाले थे। घायलों को इलाज के लिए ECIL इलाके के एक अस्पताल में ले जाया गया। घटना के CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि लोगों का एक समूह सड़क पर चल रहा है और कुछ ही समय के बाद एक कार पीछे से आती है और सभी को टक्कर मार देती है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पवन शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था, तभी कार सड़क किनारे चल रहे पैदल यात्रियों से टकरा गई। घटना के समय कार में एक और व्यक्ति भी मौजूद था। कुशाइगुडा पुलिस ने पवन और उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

अमरावती समृद्धि महामार्ग पर भीषण सड़क हादसा, 5 की मौत, 18 गंभीर घायल

अमरावती, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती में आज शुक्रवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया. यह हादसा समृद्धि महामार्ग पर हुआ. इस हादसे में करीब 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और लगभग 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरा मच गई. वहीं, जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया. दरअसल, धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर एक ट्रक और बोलेरो पिकअप गाड़ी के बीच भीषण दुर्घटना हुई. हाईवे पर चैनल नंबर 97 के पास हुई इस टक्कर में पांच लोग की मौत हो गई और 15 से 18 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि पिकअप में श्रद्धालु सवार थे और मां दुर्गा की मूर्ति लेकर शंगाव से वर्धा जा रहे थे. इस समय समृद्धि महामार्ग पर ट्रक और टैम्पो पिकअप की आपस में टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी टैम्पो पिकअप बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया. गंभीर रूप से घायलों का इलाज वर्धा में चल रहा है. पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम और धमनगांव नगर परिषद की अध्यक्ष अर्चना रोथे ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. पुलिस हादसे की जांच कर रही है. धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर पहले भी हादसे हुए हैं. जून 2026 में, चंद्रपुर के एक परिवार के पांच सदस्यों की इसी इलाके में मौत हो गई थी. जब उनकी कार एक खड़े कंटेनर ट्रक से टकरा गई थी. सड़क हादसा किस परिस्थिति में हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है. वहीं, मृतकों और घायलों की पहचान में पुलिस जुटी है.

सीजेपी को मिला वकीलों का साथ: बोले- दमन हुआ तो बिना फीस के लड़ेंगे केस

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले की वसई लीयर्स एसोसिएशन ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में सामने आने की बात कही है। संगठन ने कहा है कि अगर पार्टी के सदस्यों को किसी तरह के कथित दमन का सामना करना पड़ता है और उनके खिलाफ मामले दर्ज होते हैं, तो उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एसोसिएशन के प्रवक्ता दिवांबर देसाई ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। दिवांबर देसाई से पूछा गया था कि अगर सीजेपी के सदस्यों के खिलाफ मामले दर्ज होते हैं तो क्या वकील उनके बचाव के लिए बिना फीस के आगे आएंगे।

महिला वकील से 186 बार बात और 3 बेनामी फोन, पूर्व जज को राहत देने से गुजरात हाई कोर्ट का इनकार

अहमदाबाद, एजेंसी। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने भ्रष्टाचार के आरोपी और एक प्रैक्टिसिंग वकील के संपर्क में रहने के लिए तीन बेनामी मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था। हाई कोर्ट ने उनके व्यवहार को एक ज्यूडिशियल ऑफिसर के लिए अशोभनीय बताते हुए कहा कि नौकरी से बर्खास्तगी ही एकमात्र उचित सजा थी। यह मामला JMFC अमृतलाल विजोडा से जुड़ा है, जिन्हें 2008 में सस्पेंड कर दिया गया था। उन पर मनचाहे आदेश देने के लिए पैसे लेने, तीन बेनामी मोबाइल फोन रखने के आरोप लगे।

इसके अलावा जून 2007 से मार्च 2008 के बीच महिला वकील को 186 कॉल करने और विभाग को बताए बिना कार खरीदने और पर्सनल लोन लेने के आरोप थे। मजिस्ट्रेट पर लगे 12 आरोपों में से हाई कोर्ट की कमेटी ने चार को सही माना, जिसमें यह आरोप भी शामिल था कि उनके पास अलग-अलग लोगों के नाम पर रजिस्टर्ड तीन मोबाइल फोन थे, जिनमें से एक महिला वकील के नाम पर था। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पर चार आरोप साबित होने के बाद 2016 में उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। बाद में उन्होंने हाई कोर्ट की ज्यूडिशियल विंग



हाई कोर्ट की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा, 'अगर कोई ज्यूडिशियल ऑफिसर किसी प्रैक्टिसिंग वकील से फोन लेने का फैसला करता है और यह साबित हो जाता है कि वह कुछ समय तक उस वकील के संपर्क में था, तो यह अपने आप में अनुचित होगा।' हाई कोर्ट की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा, 'अगर कोई ज्यूडिशियल ऑफिसर किसी प्रैक्टिसिंग वकील से फोन लेने का फैसला करता है और यह साबित हो जाता है कि वह कुछ समय तक



कहा, 'इस मामले में, याचिकाकर्ता पर जो आरोप लगाए गए थे और जिन्हें याचिकाकर्ता ने मूल रूप से स्वीकार भी किया था, वे साफ तौर पर दिखाते हैं कि ये याचिकाकर्ता के खिलाफ मामूली शिकायतें नहीं थीं, बल्कि ऐसी शिकायतें थीं जिनसे साबित होता है कि उनमें ईमानदारी की कमी थी।' बेंच ने कहा, 'न्यायपालिका में जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए ज्यूडिशियल ऑफिसर्स से उम्मीद की जाती है कि वे प्रैक्टिसिंग वकीलों से उचित दूरी बनाए रखें।'

भाजपा ने किया कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में पेपर लीक का दावा, कहा- 30 से 40 लाख में हुआ पेपर का सौदा

बेंगलुरु, एजेंसी। बीजेपी ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। बीजेपी का दावा है कि कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का पेपर लीक हुआ। चालीस-चालीस लाख रुपये लेकर पेपर बेचा गया। इस घोटाले में कर्नाटक सरकार के मंत्री और कर्नाटक कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता शामिल हैं। इस घोटाले से ध्यान भटकाने के लिए डीके शिवकुमार और उनके मंत्री चुनाव आयोग को निशाना बना रहे हैं। आज सबित पात्रा ने कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में हुए इस पेपर लीक घोटाले को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

पेपर के लिए स्टूडेंट्स से मांगे गए 80 लाख रुपये: दरअसल, इसी साल 8 और 9 जनवरी को कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का एग्जाम हुआ था, लेकिन इससे एक दिन पहले ही पेपर लीक



सबूत जुटाए। फिर पता लगा कि ज्ञानेंद्र कुमार ने एग्जाम में आने वाले क्वेश्चनस को पेन ड्राइव में लिया। फिर एक बिचौलिए बसवराज कन्नाले को एग्जाम में एपीयर होने वाले छात्रों से संपर्क करने

नागालैंड में बड़ा सियासी फेरबदल, एक पार्टी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ दल में शामिल

कोहिमा, एजेंसी। नागालैंड की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी कि एनपीपी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ नगा पीपुल्स फ्रंट यानी कि एनपीएफ में शामिल हो गए। इसके साथ



ही 60 सदस्यीय नागालैंड विधानसभा में एनपीएफ के विधायकों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई। पांचों विधायकों ने 1 अक्टूबर को एनपीएफ में विलय की जानकारी विधानसभा को दी थी।

मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की मौजूदगी में हुआ शामिल होना: एनपीपी के पांचों विधायक दिमापुर में एनपीएफ में शामिल हुए। इस मौके पर एनपीएफ अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, पार्टी के महासचिव अचुम्बेमी किंकोन और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता

सचिवालय की संशोधित पार्टी-संबद्धता सूची के मुताबिक, एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष और मोका से विधायक ए. न्यामन्येई कोन्याक, अकांकोंग से विधायक नुक्लुतोशी, सेयोचुंग-सितिमी से विधायक सी. किपिली संगतम, कोहिमा टाउन से विधायक त्सेइलहैतुओ रत्सो और थोनोकन्यु से विधायक बेनेई एम. लैमथियु एनपीएफ में शामिल हुए हैं। विधानसभा बुलेटिन के मुताबिक, पांचों विधायकों ने संधिनाच की दसवीं एनपीएफ में शामिल हुए। इस मौके पर एनपीएफ के साथ विलय की जानकारी दी थी। विधानसभा के सचिव ख्रुओहितुओनुओ रियो की ओर से जारी

निर्माणाधीन मंदिर गिराने पहुंचे बुलडोजर के सामने बैठकर भजन गाने लगी महिलाएं, बैरंग लौटी एमडीए की टीम

मेरठ, एजेंसी। परतापुर क्षेत्र स्थित एयरपोर्ट एंक्लेव में निर्माणाधीन मंदिर पर कार्रवाई करने पहुंची मेरठ विकास प्राधिकरण (एमडीए) की टीम को विरोध के चलते वापस लौटना पड़ा। टीम के पहुंचते ही महिलाओं ने ढोलक-मंजीरे लेकर भजन गाते हुए विरोध शुरू कर दिया, जिसके वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

गुरुवार दोपहर में एमडीए की टीम स्थानीय पुलिस बल के बिना मौके पर पहुंची थी। निर्माणाधीन मंदिर पर कार्रवाई की कोशिश की जानकारी मिलते ही मंदिर कमेटी के सदस्य, पाषंड पुत्र आकाश काशी और हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते वहां लोगों

की भीड़ जमा हो गई। महिलाओं ने भजन गाते हुए एमडीए की कार्रवाई का



विरोध किया। मौके पर बढ़ते विरोध और पुलिस बल साथ न होने के चलते एमडीए की टीम बिना कार्रवाई किए वापस लौट गई। घटना के बाद एमडीए की कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई है।

वहीं,निर्माणाधीन मंदिर के संबंध में प्राधिकरण की तरफ से कार्रवाई का

आधार और आगे की रणनीति स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर पर कार्रवाई से पहले प्रशासन को संबंधित पक्ष से बातचीत करनी चाहिए। फिलहाल मौके पर कार्रवाई टल गई है। अब

को कहा। स्टूडेंट्स से 80 लाख रुपये मांगे गए। लेकिन सौदा 30 से 40 लाख में हुआ।

11 स्टूडेंट्स से वसूले गए 1 करोड़ 52 लाख रुपये

शुरू में 11 स्टूडेंट्स ने कुल 1 करोड़ 52 लाख रुपये दिए। बाकी की रकम के लिए पोस्ट डेटेड चेक लिए गए। इस पैसे में से 1 करोड़ 30 लाख रुपये ज्ञानेंद्र कुमार को दिए गए। रिश्वत की रकम से ज्ञानेंद्र कुमार ने ज्वेलरी खरीदी। इनमें 22 लाख रुपये का एक डायमंड नेकलैस मिला है। फिर बसवराज ने बेंगलुरु के बाहर रिजॉर्ट बुक किया। कैडिडेट्स को इस रिजॉर्ट में ठहराया गया। पेपर के क्वेश्चन और आंसर्स बताए गए। 17 जुलाई को जब रिजल्ट आया तो इन सारे कैडिडेट्स का सेलेक्शन हो गया। जब

मामले का खुलासा हुआ तो कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी।

रेड में ईडी को मिले सबूत

फिर ईडी की एंटी भी हो गई। ईडी की रेड में सारे सबूत मिल गए, जिन स्टूडेंट्स ने पैसे देकर पेपर पास किया था, उनमें से 10 लड़के एप्रूवर भी बन गए। अब इस मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट ने एसआईटी का गठन कर दिया है। इसीलिए आज सबित पात्रा ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार नौजवानों के भविष्य का सौदा कर रही है। कांग्रेस ने कर्नाटक को रिश्वत का एटीएम बना दिया है। सबित ने कहा कि इस पेपर लीक घोटाले में सरकार के बड़े-बड़े नेता और मंत्री शामिल हैं, इसलिए कर्नाटक सरकार इस केस को दबाने में पूरी ताकत लगा रही है।

भरतपुर, एजेंसी। राजस्थान से बड़ी खबर सामने आई है। भरतपुर के दिग्गज नेता, राजघराने के विश्वेन्द्र सिंह ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी में हुई कलह की वजह से उन्होंने ये कदम उठाया है। कुछ दिनों पहले ही पीसीसी अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और विश्वेन्द्र सिंह के बीच काफी बयानबाजी हुई थी, जिसके बाद डोटासरा ने विश्वेन्द्र सिंह के खिलाफ रिपोर्ट भेजी थी। उसके बाद से उन्हें निष्कासित करने की तैयारी की जा रही थी। विश्वेन्द्र सिंह ने निकाय चुनाव में पार्टी की हार के लिए टिकट वितरण को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर सवाल उठाए थे।

विश्वेंद्र सिंह ने फेसबुक पोस्ट किया, पूछा सवाल: पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, भरतपुर-डींग कांग्रेस का बंटोधार-जिम्मेदार कौन? उन्होंने लिखा, नगर निकाय में कांग्रेस की हार का एक ही कारण है- दोनों जिलाध्यक्षों ने चहेतों को टिकट बांटे और असली कार्यकर्ताओं को दरकिनार

राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का चुनावी दावों को गलत बताने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

बेंगलुरु , एजेंसी। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के दौरान 'फॉर्म 7' के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल और उसके गलत इस्तेमाल की आपराधिक जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उनके कैबिनेट सहयोगियों के विरोध-प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनुबुक्कुमार ने राज्य भर के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन आवेदकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करें जिन्होंने जानबूझकर झूठे दावे या आपत्तियां दर्ज कराई हैं. बता दें, राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का यह निर्देश गुरुवार 1 अक्टूबर को जिला चुनाव अधिकारियों और डिप्टी कमिश्नरों, बेंगलुरु चुनाव अधिकारियों और सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों के चुनावी पंजीकरण अधिकारियों को जारी किया गया था. मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनुबुक्कुमार के मुताबिक यह माना गया कि निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास बड़ी संख्या में 'फॉर्म 7' एप्लीकेशन जमा किए जाने के मामले ऑफिस की जानकारी में आए हैं और कुछ एप्लीकेशन की असलियत पर सवाल उठाए गए हैं. निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास फॉर्म 7 में बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जा रहे हैं.

राजस्थान के भरतपुर से कांग्रेस के दिग्गज नेता विश्वेन्द्र सिंह ने दिया इस्तीफ़ा

भरतपुर और डींग में निकाय चुनाव के खराब नतीजों के बाद आंतरिक कलह खुलकर बाहर आई। विश्वेंद्र सिंह ने हार का सीधा जिम्मेदार भरतपुर व डींग के कांग्रेस जिलाध्यक्षों और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को ठहराया।

उन्होंने आरोप लगाया कि निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर केवल 'चहेतों' को टिकट बांटे गए, जिससे समर्पित कार्यकर्ताओं में भारी रोष था।

स्वाभिमान और 'चापलूसी कल्चर': अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा कि पार्टी में परिजनों के आरक्षण/चयन से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग भी कर डाली। भरतपुर के पूर्व महाराजा विश्वेंद्र सिंह साल 2008 में भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

बीजेपी के तत्कालीन नेता स्वर्गीय दिगंबर सिंह से हुए विवाद के बाद वे कांग्रेस में आए थे।

बिहार विधान परिषद चुनाव: कांग्रेस ने राजद के खिलाफ किन चार सीटों पर उतारे उम्मीदवार, क्या टूट गया महागठबंधन

पटना , एजेंसी। बिहार विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी के बाद पार्टी के महासचिव केशी वेणुगोपाल ने गुरुवार को उम्मीदवारों की सूची जारी की। चौकाने वाली बात यह है कि पांच में चार ऐसी सीट हैं, जहां पहले से ही राजद अपना उम्मीदवार उतार चुका है। अब ऐसे में इस चुनाव में महागठबंधन के दो दल के उम्मीदवार एक दूसरे को चुनौती देते दिखाई देंगे। कांग्रेस की ओर से बताया कि दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. मदन मोहन झा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से मनोज कुमार जायसवाल को टिकट दिया गया है। इसके अलावा दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से रजनीकांत पाठक, पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजय यादव और पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. असदुल्लाह खान को पार्टी उम्मीदवार बनाया गया है। इधर, कांग्रेस के प्रवक्ता अरिस्त नाथ तिवारी महागठबंधन में अगर समन्वय होता तो राजद ने उज सूची जारी की थी तो एक संयुक्त बैठक होती। इसमें महागठबंधन के सभी दल रहते। लेकिन, राजद ने बिना समन्वय किए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। विधान परिषद का चुनाव है। हमलोग लड़ रहे हैं।

सीएम फडणवीस ने मुंबई में कैप्टन रिमत मच्छार के परिवार से मुलाकात की, बहादुरी की तारीफ की

मुंबई, एजेंसी। अपनी बहादुरी से भारत का नाम रोशन करने वाले पायलट कैप्टन रिमत मच्छर के चाचा और चाची ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की. मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कैप्टन रिमत मच्छर के परिवार की सराहना की और उनकी बहादुरी की तारीफ की. उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन रिमत ने जिस सूझबूझ का परिचय दिया, वह महाराष्ट्र और भारत दोनों के लिए गर्व की बात है. फडणवीस ने कैप्टन रिमत मच्छर के परिवार को अपना समर्थन दिया.

दुबई से तेल अवीव (इजराइल) जा रही फ्लाईडुबई की फ्लाइट के कॉकपिट में को-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन रिमत पर चाकू से हमला कर दिया था. हालांकि, विमान उड़ा रहे रिमत ने को-पायलट का बहादुरी से मुकाबला किया और 170 से अधिक यात्रियों की जान बचाई. हमले में घायल हुए कैप्टन रिमत का अभी संयुक्त अरब अमीरात के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है.

ओमान के एक को-पायलट ने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की फ्लाइट (ख1073) को कथित तौर पर हाईजैक करने की कोशिश की. कॉकपिट के अंदर जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, कैप्टन रिमत ने उसका मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिससे विमान में सवार यात्री को-पायलट को काबू करने में मदद कर सके. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बहादुरी के लिए कैप्टन रिमत को 'हीरो'



बताया. उन्होंने फोन पर कैप्टन के माता-पिता और पत्नी से भी बात की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया. मुंबई के घाटकोपर के रहने वाले कैप्टन रिमत मच्छर, जिन्होंने गुडगांव में पायलट की ट्रेनिंग ली थी, ने 170 से अधिक लोगों की जान बचाई. रिमत की अब पूरी अनुध्या में चर्चा हो रही है और वह हीरो बन गए हैं. रिमत मच्छर ने 10 से अधिक वर्षों तक स्पाइसजेट के लिए बोइंग विमान उड़ाए हैं. इस दौरान, उन्हें सीनियर कमांडर और बाद में ट्रेनिंग कैप्टन के पद पर प्रमो्ट किया गया. इसके बाद 2022 में दुबई आए गए.

इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात (श्च) में भारतीय दूतावास का कहना है कि कैप्टन रिमत मच्छर ठीक हैं और तेजी से रिकवरी कर रहे हैं. भारतीय दूतावास ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में बताया कि राजदूत दीपक मिश्र ने यूएई के उस अस्पताल में कैप्टन रिमत मच्छर और उनके परिवार से मुलाकात की, जहां उन्हें सज्दी अरब से लाया गया था. दूतावास ने आगे कहा, 'कैप्टन मच्छर ठीक हैं और उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है.

एशियाई खेल: भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर स्वर्ण जीता

लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई किया

नगोया (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 1-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला हॉकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। साल 1982 के बाद इस स्पर्धा में पहली बार भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता है। भारत की ओर से फाइनल मैच का एकमात्र विजयी गोल लाल्हेर्मियामी हमरजोटे ने किया। उन्होंने मैच के पहले क्वार्टर में 10वें मिनट में यह गोल किया। भारत के लिए 2017 में डेब्यू करने वाली लाल्हेर्मियामी हमरजोटे का यह 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। चीन को मैच के 23वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला था पर इसे भारतीय गोलकीपर

सविता पुनिया ने रोक लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई कर लिया है। चार दशकों के अधिक के लंबे इंतजार के बाद यह टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। भारतीय टीम ने 10वें मिनट में ही मैच का एकमात्र गोल कर लिया था। इसके बाद अगले 50 मिनट तक चीन की टीम गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। फाइनल मुकाबले में बहुत मिलने के बाद भारतीय टीम ने काफी अच्छा बचाव किया। चीनी खिलाड़ियों ने भारत की रक्षापंक्ति को तोड़ने की काफी कोशिश की लेकिन वह असफल रही।



एशियाई खेलों में भारत की महिला तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण जीता



-कुरती में दीपांशी हर्षी

नगोया (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत की महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक पर निशाना साधा हालांकि कुरती में भारत की दीपांशी को कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी है। महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम में शामिल कुमकुम मोहोत, अंकिता भक्त और कीर्ति ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दक्षिण कोरियाई टीम टीम को हराया। भारतीय टीम की ओर से 17 वर्षीय युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोत ने जबरदस्त खेल दिखाया। कुमकुम ने संयम और सटीकता का परिचय देते हुए लगातार बेहतरीन शॉट लगाए और अंत में स्वर्ण पदक पक्का पर निशाना साधा। टीम में कुमकुम के साथ अंकिता भक्त ने अपने अनुभव और निरंतरता का बखूबी इस्तेमाल किया, जबकि कीर्ति ने भी महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को मजबूती प्रदान की। यह तीनों खिलाड़ियों के माहिर दूर प्रयास और तालमेल का ही परिणाम था, जिसने भारत को यह गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलाई और देश

का मस्तक गर्व से ऊंचा किया।

एक ओर जहाँ तीरंदाजी में भारत ने सुनहरी सफलता हासिल की, वहीं कुरती में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में भारतीय पहलवान दीपांशी को जापान की दिग्गज महिला पहलवान यू सुसाकी ने हरा दिया। सुसाकी, जो एक अनुभवी और खिताबी दावेदार मानी जाती है, ने अपने अनुभव और आक्रामक दौंव-पेंच से दीपांशी पर भारी दबाव बनाया। दीपांशी ने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश की, लेकिन जापानी पहलवान के विश्व स्तरीय प्रदर्शन के आगे वे टिक नहीं पाई और मुकाबले में हार गई। हालांकि, दीपांशी के लिए अभी भी पदक की उम्मीदें पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं। रसलिंग में रिपेचेज का नियम उन्हें कांस्य पदक जीतने का अवसर प्रदान कर सकता है। यदि जापानी पहलवान यू सुसाकी अपने शेष मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंचने में सफल रहती हैं, तो दीपांशी को रिपेचेज दौर के माध्यम से कांस्य पदक जीतने का एक और मौका मिल सकता है।

एशियाई खेल : लवलीना ने चीनी मुक्केबाज बाओ को हराकर स्वर्ण जीता

निशिनो (एजेंसी)। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहेन ने एशियाई खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। लवलीना ने महिलाओं के 75 किग्रा भारवर्ग में ये स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीनी मुक्केबाज बाओ जियाई को आसानी से हरा दिया। इससे भारत को इस संस्करण में 12वां स्वर्ण पदक मिला है।

लवलीना ने बाओ जियाई को 5-0 से जीत दिलायी। पिछले एशियाई खेलों में उन्हें रजत पदक मिला था। वहीं इस बार उन्होंने और बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस बार सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में ही लवलीना ने धीमी शुरुआत की पर उन्होंने धीरे-धीरे अपने प्रहारों को गति दी।



सेमीफाइनल में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कजाकिस्तान के मुक्केबाज को हराकर फाइनल में जगह बनायी। खिताबी मुकाबले में उन्होंने चीनी मुक्केबाज बाओ जियाई के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने सही समय का इंतजार किया और विरोधी पर बढ़त बनाए

रखने के लिए रणनीतिक रूप से जबरदस्त पंच जड़े। अंततः, उन्होंने इतने अंक अर्जित कर लिए कि वह तकनीकी रूप से बाओ से आगे निकल गयीं। इस ऐतिहासिक जीत के साथ लवलीना एशियाई खेलों में दिग्गज मुक्केबाज मैरी कॉम के बाद स्वर्ण पदक

जीतने वाली भारत की दूसरी महिला मुक्केबाज बनी हैं। उनके लिए यह एक ऐतिहासिक डबल है, क्योंकि वह इन खेलों में भारत की तरफ से स्वर्ण और रजत देने ही पदक जीतने वाली एकमात्र महिला मुक्केबाज हैं। इससे पहले, मैरी कॉम ने एशियाई खेलों में दो पदक जीते थे। मैरी कॉम ने साल 2014 में एक स्वर्ण और 2010 में एक कांस्य पदक जीता था। यह जीत लवलीना के लिए और भी खास है, क्योंकि शुक्रवार को वह अपना 29वां जन्मदिन मना रही थीं। इस स्वर्णिम पदक ने उनके जन्मदिन को हमेशा के लिए यादगार बना दिया है। बोर्गोहेन ने अपने जन्मदिन पर जो अविस्मरणीय उपहार खुद को दिया है, उसकी तुलना किसी भी अन्य उपहार से नहीं की जा सकती।

एशियाई खेल : मुक्केबाजी में परवीन ने स्वर्ण पदक जीता

नगोया । भारतीय महिला मुक्केबाज परवीन हुद्दा ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। परवीन ने महिलाओं की 65 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। परवीन ने फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे की अनुभवी मुक्केबाज चेन निंग चिन को 3-2 से हराया। यह मुकाबला उनकी असाधारण प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक परिश्रम को दिखाता है। परवीन ने रिंग में अपनी चपलता, सटीक पंच और बेहतरीन बचाव का समन्वय दिखाया, जिससे वह अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़ी है। इस जीत के साथ, परवीन एशियाई खेलों में मुक्केबाजी का स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की तीसरी महिला मुक्केबाज बन गई हैं। इससे पहले मैरी कॉम ने साल 2014 में यह पदक जीता था। वहीं आज ही लवलीना बोर्गोहेन ने भी चीनी मुक्केबाज को हराकर स्वर्ण पदक जीता। ये उपलब्धि भारतीय महिला मुक्केबाजी के बढ़ते कद और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को मजबूत करती है। लगातार दो स्वर्ण पदक भारतीय मुक्केबाजों के शानदार फॉर्म और उनकी तैयारी को दर्शाते हैं। शुक्रवार का दिन, 2026 भारत के लिए काफी अच्छा रहा। मुक्केबाजी के अलावा, तीरंदाजी में भी भारतीय टीमों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की। महिला रिकर्व टीम ने एक अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी की दुनिया में दक्षिण कोरियाई टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह एशियाई खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजी टीम का पहला स्वर्ण पदक था। तीरंदाजी में भारतीय दल की सफलता यहीं नहीं रुकी। मिक्स्टर्ड रिकर्व टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया, जबकि पुरुषों की रिकर्व टीम ने भी रजत पदक जीता।

आईसीसी ने 2027 एकदिवसीय विश्व कप में भारत-पाक को एक ही ग्रुप में रखा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 एकदिवसीय विश्वकप को लेकर कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। आईसीसी ने घोषणा की है कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रहेंगे। 2027 के इस विश्व कप में कुल 14 टीमों रहेंगी। इसका प्रारूप भी पिछले संस्करणों से काफी अलग होगा, जो दर्शकों के लिए और भी रोमांचक अनुभव लेकर आएगा। विश्व कप की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को सुपर सीरीज से होगी, जिसमें तीन टीमें हिस्सा लेंगी। इस प्रारंभिक चरण से शीर्ष पर रहने वाली एक टीम मुख्य ग्रुप स्तर में प्रवेश करेगी। इसके बाद, कुल 12 टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह में छह-छह टीमें रहेंगी। हर टीम अपने समूह की बाकी सभी टीमों के खिलाफ मुकाबला खेलेगी, जिससे ग्रुप स्तर में ही कई रोमांचक मुकाबले होंगे। यह नया प्रारूप यह सुनिश्चित करेगा कि टीमों को अगले दौर में पहुंचने के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा और कोई भी मैच कम महत्वपूर्ण नहीं होगा। ग्रुप स्तर के बाद, दोनों समूहों से शीर्ष तीन टीमों सीधे अगले राउंड में पहुंचेंगी। इसके अतिरिक्त, दोनों समूहों में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इस प्रकार, कुल सात टीमों सुपर-7 राउंड में पहुंचेंगी। सुपर-7 में पहुंचने वाली सभी टीमों एक-दूसरे से खेलेगी। जिससे अंक तालिका में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस चरण के बाद, अंक तालिका में शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करंगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता अंतिम खिताब के लिए महामुकाबले में उतरेंगे। 2027 एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत, जैसा कि अपेक्षित है, इस विश्व कप के सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबलों में से एक होगी। आईसीसी टूर्नामेंट में जब भी ये दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं, तो स्टेडियम ख्वाबखं भर जाते हैं और टेलीविजन पर रिकॉर्ड तोड़ दर्शकों संख्या दर्ज होती है। प्रशंसक अभी से इस मुकाबले की कल्पना कर रहे हैं और मैच के टिकटों की मांग आसमान छूती की उम्मीद है। यह केवल एक क्रिकेट मैच नहीं, बल्कि भावनाओं, उम्मीदों और गौरव का प्रतीक बन जाता है, जो खेल की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है। इस भव्य टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। इस दौरान कुल 57 मुकाबले 12 अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे।

एशियाई खेल: बारिश के कारण क्रिकेट फाइनल रद्द हुआ तो दोनों टीमों बनेंगी संयुक्त विजेता

निशिन (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच शनिवार को यहां के कोरोगो स्पोर्ट्स पार्क में होने वाले खिताबी मुकाबले का लोगो बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसक हालांकि फाइनल से ठीक पहले बारिश की आशंका से डरे हुए भी है। वह चाहते हैं कि बारिश न हो और उन्हें एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिले। ऐसे में अगर बारिश की वजह से मैच शुरू ही नहीं हो पाता या बिना किसी परिणाम के रद्द हो जाता है, तो सवाल उठता है कि स्वर्ण पदक किये मिलेगा?

वहीं एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट फाइनल के लिए बने विशेष नियमों के अनुसार अगर यह महामुकाबला पूरी तरह रद्द हो जाता है और मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता, तो भारत और पाकिस्तान दोनों टीमों को संयुक्त



रूप से स्वर्ण दिया जाएगा।

यह नियम 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों से बिल्कुल अलग है। हांगझोउ में भारत और अफगानिस्तान के बीच पुरुष क्रिकेट का फाइनल बारिश की वजह से पूरा नहीं हो सका था। उस समय नियम के अनुसार, बेहतर टी20

रैंकिंग के आधार पर भारत को स्वर्ण पदक मिला था। इस बार फाइनल के लिए कोई रिजर्व डे नहीं रखा गया है। यही कारण है कि अगर मैच वाले दिन बारिश की वजह से मुकाबला नहीं हो पाता, तो दोनों फाइनलिस्ट टीमों को संयुक्त रूप से स्वर्ण पदक दिया जाएगा। आयोजन समिति

ने भी इस नियम की पुष्टि की है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि बारिश की स्थिति में क्या होगा।

फाइनल तक पहुंचने का सफर भी दोनों टीमों के लिए रोमांचक रहा है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 124 रनों के बड़े अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर फाइनल का टिकट कटया। यह मैच भी बारिश से प्रभावित रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना करते हुए जीत दर्ज की।

इस मैच में अगर बारिश होती है और मैच नहीं हो पाता है तो भारत और पाकिस्तान दोनों टीमों स्वर्ण पदक साझा करेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड का दौरा करेगी

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इसी माह सीमित ओवरों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज के अलावा टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम का ये दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से शुरू होगा। जो 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंग्टन में और दूसरा

टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर मेजबान कीवी टीम भी इस सीरीज को लेकर तैयारियों में लगी है। टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि भारत

निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फॉर्मेट में एक डे नहीं रखा गया है। यही कारण है कि अगर मैच वाले दिन बारिश की वजह से मुकाबला नहीं हो पाता, तो दोनों फाइनलिस्ट टीमों को संयुक्त रूप से स्वर्ण पदक दिया जाएगा। आयोजन समिति

सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बॉल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी। फिर टेस्ट मैच होंगे और मुझे लगता है कि भारत ने खेले गए टेस्ट मैचों की तुलना में यहां हालात थोड़े अलग होंगे। साल के उस समय पिचें थोड़ा अलग व्यवहार कर सकती हैं, हरी पिचें और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती हैं। उन्होंने भारत की गेंदबाजी आक्रमण और समग्र गुणवत्ता की भी प्रशंसा की।

रोहित और विराट ने आलोचकों को जवाब देने के साथ ही 2027 विश्व कप के लिए दावा ठोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ समय से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल उठ रहे थे और कहा जा रहा था कि इन दोनों का समय अब निराला गया है और आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए इन्हें शामिल नहीं किया जाना चाहिये पर इन दोनों ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को करार जवाब दिया है। विराट और रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बाकि है और वे विश्वकप के लिए तैयार हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अपने शतकीय प्रदर्शनों से इन दोनों ने साबित कर

दिया है कि उनमें अभी भी वही दमखम और जीत की भूख है, जो उन्हें शीर्ष पर बनाए रखती है। इसलिए उनकी विश्वकप के लिए दावेदारी को कमजोर समझना बल होगा। वेस्टइंडीज सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम पर भारी दबाव था। सीरीज के पहले एकदिवसीय में 139 रनों की एक अविश्वसनीय नाबाद पारी खेली। इस पारी ने न केवल भारत को शानदार जीत दिलाई, बल्कि पूरी दुनिया को यह भी दिखा दिया कि रनों की उनकी भूख अभी भी वैसी ही असीमित है, जैसी एक दशक पहले थी। उनकी क्रीज पर मौजूदगी ने टीम

को स्थिरता और विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा, जो एक अनुभवी बल्लेबाज ही कर सकता है। विराट की उस शानदार दहाड़ के बाद दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों की धज्जियां उड़ाते हुए 101 रनों की आक्रामक, पारी खेली, जिसने पुराने रोहित की याद ताजा कर दी। उनके बल्ले से निकले छक्के और दर्शनीय पुल शॉट्स उनकी टाईमिंग स्पष्ट प्रमाण थे।

इन लगातार दो शतकों के साथ, रोहित और विराट ने यह साफ कर दिया है कि जब दबाव चरम पर होता है, तब अनुभव ही सबसे बड़ा हथियार

साबित होता है। भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर, जो अपने कड़े और परिणाम-उन्मुख फैसलों के लिए जाने जाते हैं, के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश है कि ये दोनों दिग्गज अभी अपनी उसी चरम पर नहीं पहुंचे हैं, बल्कि उनका खेल अभी भी शीर्ष स्तर पर है। इन जादुई पारियों के बाद यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है कि रोहित और विराट कोहली की निगाहें साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप पर पूरी दृढ़ता से टिकी हुई हैं। जिसे ये हर हाल में जीतना चाहते हैं। दोनों ने ही समय-समय पर कहा है कि एकदिवसीय विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य है।



चहल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से लिया संन्यास



मुम्बई (एजेंसी)। लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इससे लाल गेंद के प्रारूप में खेलने का उनका सपना भी अधूरा रह गया है। चहल ने हालांकि कहा है कि उनके एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीदें अभी भी बरकरार हैं।

चहल ने अपनी इस घोषणा को सोशल मीडिया के जरिये साझा किया, जहां उन्होंने इस प्रारूप के साथ अपने गहरे जुड़ाव को बताया। उन्होंने लिखा कि लाल गेंद क्रिकेट उनके लिए केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक पाठशाला थी जिसने उन्हें धैर्य, समर्पण और मुश्किलों से उबरने की क्षमता सिखाई। मैदान पर घंटों जुझने और टेस्ट मैच के लिए तैयारी करने के संघर्ष को उन्होंने अपने खेल जीवन का एक अलग ही आनंद बताया, जो उनकी खेल भावना का अभिन्न अंग बन गया।

इस भावुक संदेश में, चहल ने कहा कि हमेशा टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू न कर पाने का उन्हें दुःख रहेगा। उन्होंने साथ ही कहा, चाहे टेस्ट खेलने का मेरा यह सपना पूरी नहीं हो सका, लेकिन मैं अपने इस यादगार सफर से बेहद खुश हूं और इस फॉर्मेट में मिले हर एक अवसर और अनुभव के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं। यह उनके क्रिकेट करियर का एक महत्वपूर्ण, फिर भी

अधूरा पहलू रहा।

हालांकि, चहल ने साफ तौर पर यह भी बताया कि उनका क्रिकेट करियर अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने केवल फर्स्ट-क्लास फॉर्मेट को अलविदा कहा है और वह अब भी एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में सक्रिय बने रहेंगे। उनका भारतीय टीम की ओर से सीमित ओवरों के प्रारूपों में खेलने का सपना अभी भी बरकरार है और वह इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, टीम इंडिया के लिए खेलने की भूख मेरे अंदर अभी भी उतनी ही तीव्र है जितनी पहले थी। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे भीतर अभी काफी क्रिकेट बचा हुआ है और मैं एकदिवसीय तथा टी20 में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और समर्पण से प्रयास करूंगा। उनका यह बयान भविष्य के प्रति उनकी दृढ़ता और खेल के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है।

चहल के फर्स्ट-क्लास करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने 49 मैचों में कुल 148 विकेट हासिल किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, सफेद गेंद के क्रिकेट में वह भारत के प्रमुख स्पिनरों में से एक रहे हैं, जिन्होंने 72 एकदिवसीय मैचों में 121 विकेट और 80 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 96 विकेट लिए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित ये बदलाव इस माह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हुए हैं लागू

दुबई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में कई बड़े बदलाव किये हैं ये नए नियम इस माह से लागू भी हो गये हैं। वहीं पहले से जारी सीरीज में पुराने नियमों का पालन किया जाएगा। इन बदलावों में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय समय की बर्बादी रोकने के लिए लागू की गई रनों की पेनल्टी है, साथ ही टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का दायल भी शामिल है। अब बल्लेबाज को एक गेंद खेलने के बाद अगली गेंद के लिए तय समय सीमा के भीतर तैयार रहना होगा। इस नियम के उल्लंघन पर पहली बार चेतावनी दी जाएगी, दूसरी बार अंतिम चेतावनी और तीसरी बार नियम तोड़ने पर फील्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन मिलेंगे। इसके बाद हर बार नियम तोड़ने पर विपक्षी टीम को 5 रन का फायदा होगा। यह नियम बेवजह की देरी को रोककर मैच को समय पर समाप्त करने में मदद करेगा। एक बड़े बदलाव के तहत, दिन में होने वाले टेस्ट मैचों में अब टीमें दायल के तौर पर गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर सकेंगी। यह दायल दोनों टीमों की सहमति पर निर्भर करेगा। इसका लक्ष्य खराब रोशनी के कारण समय से पहले मैच खत्म होने की स्थिति से बचना है। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए गेंद के आकार और वजन को लेकर भी सख्त नियम बनाए गए हैं, जिसके तहत गेंद का वजन 142 से 149 ग्राम और परिधि 21.5 से 22 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए। ओवरशो के नियम को भी और स्पष्ट किया गया है, अब इस कैवल तभी ओवरशो माना जाएगा जब फील्डर रन रोकने या बल्लेबाज को रन-आउट करने के उद्देश्य से गेंद को स्टॉप की तरफ फेंकेगा। मिसफील्डिंग को अब ओवरशो नहीं माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, गेंद को पूरी तरह स्थिर मानने के लिए अब उसका गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में होना अनिवार्य नहीं होगा, जिससे अंपायर को करीबी मुकाबलों में बेहतर नियंत्रण लेने का अधिकार मिलेगा। स्टॉपिंग या रन-आउट के समय फील्डर का गेंद पर पूर्ण नियंत्रण होना जरूरी होगा। यदि गेंद केवल फील्डर को छूती हुई स्टॉप पर लगती है, तो इसे नियंत्रण में नहीं माना जाएगा। टेस्ट मैच में दिन के खेल के आखिरी ओवर से जुड़ा नियम भी बदला है। अब यदि आखिरी ओवर में विकेट गिरता है, तो भी पूरा ओवर खेला जाएगा, दिन का खेल तुरंत समाप्त नहीं होगा। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इनिंग ब्रेक का समय 15 मिनट निर्धारित किया गया है, हालांकि समय नुकसान होने पर इसे 10 मिनट तक घटाया जा सकता है। एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में तय ट्रिविस ब्रेक के दौरान अब हेंड कोच या उनके चयनित प्रतिनिधि मैदान पर आ सकते हैं। वाइड बॉल का नियम अब स्थायी रूप से एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में शामिल कर लिया गया है, जिसमें वाइड का निर्णय गेंद फेंके जाने के समय बल्लेबाज की पैरों की स्थिति के आधार पर होगा, भले ही बल्लेबाज बाद में अपनी स्थिति बदल ले।

बाकू में फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगी भारतीय टीम

बाकू । विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अजरबैजान के बाकू में इसी माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और फेस्टिवल अजरबैजान 2026 में खेलती दिखेंगी। ये टूर्नामेंट 22 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें कुल 191 टीमों भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम ग्रुप के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।, इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमों भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग ग्रुपों में बंटी हुई हैं।